संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 254
पृष्ठ 8
गुरूवार
05 जून 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– पार्लर जैसे सॉफ्ट बाल मिलेंगे घर पर...   विचार– रूस–यूक्रेन युद्ध में सही साबित हुए राहुल   खेल– आईपीएल जीतने के बाद भी कोहली ने...

सीमेंट से भरा ट्राला वैन पर पलटा, नौ की मौत दो घायल

झाबुआ, एजेंसी। मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में बुधवार को करीब 2.30 बजे सीमेंट से लदे ट्रेलर ट्रक के वैन पर पलट जाने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। सभी पीड़ित एक ही परिवार के थे, जो एक विवाह समारोह से लौट रहे थे। यह दुर्घटना मेघनगर तहसील क्षेत्र में संजेली रेलवे क्रॉसिंग के पास हुई, जहां एक निर्माणाधीन रेल ओवर–ब्रिज (आरओबी) का निर्माण किया जा रहा था। झाबुआ के पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ला ने कहा, ''ट्रक मेघनगर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत संजेली रेलवे क्रॉसिंग के पास एक अस्थायी सड़क के माध्यम से निर्माणाधीन रेल ओवर–ब्रिज (आरओबी) को पार कर रहा था, तभी उसका संतुलन बिगड़ गया और वह

एक वैन पर पलट गया।'' यह दुर्घटना झाबुआ जिले के मेघनगर तहसील में संजेली रेलवे क्रॉसिंग के पास करीब 2.30 बजे हुई, जहां ट्रक एक अस्थायी सड़क के माध्यम से निर्माणाधीन रेल ओवर–ब्रिज (आरओबी) को पार कर रहा था और उसका संतुलन बिगड़ गया। पुलिस ने कहा कि सभी नौ पीड़ित वैन में यात्रा कर रहे थे, जो ट्रक के वजन के नीचे कुचल गई। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, निर्माणाधीन पुल के पास सीमेंट से लदा ट्रक ओमनी वैन पर पलट गया। वैन में सवार सभी लोग मेघनगर तहसील के शिवगढ़ महुदा के निवासी थे और एक विवाह समारोह में शामिल होने के बाद अपने गांव लौट रहे थे। थांदला

● शादी से लौट रहे थे दो परिवार, बीच रास्ते में हो गई अनहोनी

और मेघनगर से पुलिस की टीमें दुर्घटनास्थल पर पहुंच गई हैं। जानकारी के अनुसार कार में 11 लोग सवार थे और वे एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। इसी दौरान साजेली फाटक के पास पहुंचते ही सीमेंट से भरा ट्रक कार पर पलट गया और कार चकनाचूर हो गई। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान शिवगढ़ महुदा गांव निवासी मुकेश खपेड़ (40), विनोद खपेड़ (16), कुमारी पायल (12), मडीबाई (38), विजय बामणिया (14), कुमारी कांता (14), रागिनी (9) और शावलीबाई (35) तथा देवीगढ़ गांव निवासी अकली परमार (35) के रूप में हुई है।

यूट्यूबर जसबीर सिंह को पंजाब में जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया

चंदीगढ़, एजेंसी। पंजाब पुलिस ने बुधवार को 1.1 मिलियन से ज़्यादा सब्सक्राइबर वाले यूट्यूबर जसबीर सिंह को पाकिस्तान समर्थित जासूसी नेटवर्क का हिस्सा होने के आरोप में गिरफ़्तार किया। यह गिरफ़्तारी उस व्यापक जांच का हिस्सा है जिसमें पहले हरियाणा की प्रभावशाली महिला ज्योति मल्होत्रा को भी इसी तरह के आरोपों में गिरफ़्तार किया गया था। हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के साथ निकट संपर्क में रहे पंजाब के एक यूट्यूबर को गिरफ्तार किया गया है और पुलिस का कहना है कि उससे जुड़े एक जासूसी नेटवर्क का पता चला है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बुधवार को बताया कि जान महल नाम का यूट्यूब चौनल संचालित करने वाले एवं रूपनगर जिले के महलां गांव निवासी जसबीर सिंह का संबंध एक पाकिस्तानी खुफिया

एजेंट (पीआईओ) से पाया गया है। उन्होंने बताया कि सिंह मल्होत्रा घ्के भी निकट संपर्क में था, जिसे पहले हरियाणा पुलिस ने जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया था। यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, '' 'जान महल' नामक एक यूट्यूब चौनल संचालित करने वाले जसबीर सिंह का संबंध पीआईओ शाकिर उर्फ जट्ट रंधावा के साथ पाया गया है, जो आतंक–समर्थित जासूसी नेटवर्क का हिस्सा है। डीजीपी ने बताया कि उसका दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के उस अधिकारी एहसान–उर–रहीम उर्फ घ्दानिश से भी संपर्क था, जिसे भारत ने निष्कासित कर दिया गया था। शीर्ष पुलिस अधिकारी ने कहा, ''जांच से पता चला है कि दानिश के निमंत्रण पर जसबीर दिल्ली में 'पाकिस्तान राष्ट्रीय दिवस' कार्यक्रम में शामिल हुआ

● ज्योति मल्होत्रा और पाकिस्तानी गुर्गो से थे संबंध

था, जहां उसकी मुलाकात पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों और व्लॉगर्स से हुई थी। वह तीन बार (2020, 2021, 2024 में) पाकिस्तान गया था और उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में पाकिस्तान के कई नंबर थे, जिनकी अब विस्तृत फोरेंसिक जांच की जा रही है। यादव ने बताया कि मल्होत्रा की गिरफ्तारी के बाद सिंह ने पकड़े जाने से बचने के लिए पीआईओ के साथ अपने संवाद के सभी निशान मिटाने का प्रयास किया। मोहाली में राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ में प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा, जासूसी–आतंकवाद के व्यापक नेटवर्क को ध्वस्त करने और इसमें शामिल सभी लोगों की पहचान करने के लिए जांच जारी है।

मोदी जी, 'नरेंदर बनिए सरेंडर' नहीं : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला करते हुए बुधवार को कहा कि उनकी सरकार की विदेश नीति दुनिया के सामने समर्पण कर रही है और इसका ताजा उदाहरण अमेरिका के सामने उनका उस समय घुटनों पर आना है जब बहादुर सेना ने पाकिस्तान की गर्दन दबोच रखी थी लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सामने सरेंडर करके सैन्य कार्रवाई रोकते हैं और इसकी घोषणा भी अमेरिका से होती है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा," सैन्य कार्रवाई के दौरान जब बहादुर भारतीय सेना ने पाकिस्तान की गर्दन दबोच रखी थी, तभी श्री

ट्रम्प का एक फोन आता है और श्री मोदी ने सरेंडर कर दिया। श्री ट्रम्प ने कई बार कहा कि उन्होंने व्यापार की धमकी देकर सैन्य कार्रवाई को रुकवाया है लेकिन श्री मोदी ने इसका कभी जवाब नहीं दिया।" उन्होंने कहा,"ये जवाब देंगे भी नहीं, क्योंकि नाम नरेंदर, काम सरेंडर–ये असलियत और हकीकत है। देश के अंदर सारी नीतियां ट्रोल्स चला रहे हैं और देश के बाहर की विदेश नीति एक ऐसे व्यक्ति चला रहे हैं जो सरेंडर कर चुके हैं। भारत की सीमा से महज 12 किलोमीटर दूर बंगलादेश के एक पुराने एयरबेस को चीन अपग्रेड कर रहा है। संकट की घड़ी में एक भी देश हमारे साथ खड़ा नहीं था। हालात ये हैं कि श्ऑपरेशन सिंदूरश के बाद कुवैत ने पाकिस्तान पर से वीजा रिस्ट्रिक्शन हटा दी। कुवैत की 21 प्रतिशत आबादी भारतीयों की है और श्रमिक 30 प्रतिशत हैं लेकिन श्ऑपरेशन सिंदूरश और ट्रम्प के बयान के बाद कुवैत और पाकिस्तान श्रमिकों से जुड़ा एमओयू साइन कर रहा है। ये नरेन्द्र मोदी की सरेंडर नीति है।"

पीएम मोदी जम्मू कश्मीर में करेंगे विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकर्पण

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को जम्मू–कश्मीर में बहुप्रतीक्षित कश्मीर घाटी को शेष भारत से जोड़ने वाली कटरा संगलदान रेलवे लाइन, चिनाब एवं अंजी खड्ड रेलवे पुलों के उद्घाटन तथा दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के शुभारंभ के साथ ही 46 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार श्री मोदी 06 जून को जम्मू–कश्मीर का दौरा करेंगे। इस क्षेत्र में रेल अवसंरचना और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्रधानमंत्री सुबह लगभग 11 बजे चिनाब पुल का उद्घाटन करेंगे और पुल के डेक का दौरा करेंगे। इसके बाद वह अंजी पुल का दौरा करेंगे और उसका उद्घाटन करेंगे। वह दोपहर करीब 12 बजे वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके बाद, वह कटरा में 46 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं को शिलान्यास एवं

राष्ट्र को समर्पित करेंगे। चिनाब नदी से 359 मीटर की ऊँचाई पर स्थित वास्तुशिल्प चमत्कार चिनाब रेल पुल दुनिया का सबसे ऊँचा रेलवे आर्क पुल है। यह 1315 मीटर लंबा स्टील का मेहराब पुल है जिसे भूकंपीय और हवा की स्थितियों का सामना करने के लिए इंजीनियर किया गया है। इस पुल का एक प्रमुख प्रभाव जम्मू–श्रीनगर के बीच संपर्क को बढ़ाने में होगा। वंदे भारत ट्रेन के पुल पर चलने के माध्यम से, कटरा और श्रीनगर के बीच यात्रा करने में लगभग 3 घंटे लगेंगे, जिससे मौजूदा यात्रा समय में 2–3 घंटे की कमी आएगी। अंजी पुल भारत का पहला केबल–स्टेड रेल पुल है जो चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में देश की सेवा करेगा। प्रधानमंत्री उधमपुर–श्रीनगर–बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। लगभग 43,780 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 272 किलोमीटर लंबी इस परियोजना में 36 सुरंगें (119 किलोमीटर तक फैली) और 943 पुल शामिल हैं। यह परियोजना क्षेत्रीय गतिशीलता को बदलने और सामाजिक–आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कश्मीर घाटी और देश के बाकी हिस्सों के बीच सभी मौसमों में निर्बाध रेल संपर्क स्थापित करती है।

21 जुलाई से 12 अगस्त तक चलेगा संसद का मानसून सत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होगा और 12 अगस्त, 2025 को समाप्त होगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को घोषणा की। तीन महीने से अधिक के अंतराल के बाद, 21 जुलाई को सुबह 11 बजे राज्यसभा और लोकसभा दोनों ही सत्र बुलाए जाएंगे। रिजिजू ने कहा कि सत्र की तारीखों की सिफारिश रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति ने की है। बजट सत्र 31 जनवरी को शुरू हुआ और 4 अप्रैल को समाप्त हुआ, जब दोनों सदनों को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया, जो 2025 के पहले संसद सत्र का समापन था। यह घोषणा विपक्षी नेताओं द्वारा ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए एक विशेष सत्र की मांग के बीच की गई है, जो एक हालिया सैन्य अभ्यास है जिसमें भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था।

देश में कोविड–19 के मामले बढ़कर 4,302, पिछले 24 घंटों में सात लोगों की मौत

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में बुधवार सुबह आठ बजे तक कोविड–19 के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 4,302 हो गई है, जबकि मंगलवार को यह संख्या 4,026 थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रिपोर्ट जारी करके आंकड़ों की सूचना दी। पिछले 24 घंटों में करोना संक्रमण से सात लोगों की मौत हो गयी। इस अवधि में इस कोविड–19 संक्रमण के 300 नये मामले सामने आए हैं, जिनमें सबसे ज्यादा मामले केरल में दर्ज किए गए हैं। दिल्ली, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में भी मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। इस बीच, 3,281 मरीज ठीक हो चुके हैं और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। हाल ही में पश्चिम बंगाल में 60, उत्तर प्रदेश में 63 और

दिल्ली में 64 नए मामले सामने आए हैं। एक दिन पहले ही दिल्ली में 47 और केरल में 35 नए मामले सामने आए थे। स्वास्थ्य अधिकारी स्थिति पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। अस्पताल में भर्ती होने की दर हालांकि अपेक्षाकृत कम है। हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को पहली बार सिरमौर जिले के नाहन में नवीनतम उछाल का पहला मामला सामने आया, जो वायरस के क्षेत्रों में निरंतर प्रसार का संकेत देता है। जबकि कई देशों में कोविड–19 के मामलों में फिर से वृद्धि देखी जा रही है। कुल मिलाकर मृत्यु दर कम बनी हुई है तथा अधिकांश संक्रमित व्यक्तियों में हल्के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। दिल्ली और उत्तराखंड की सरकारों ने अस्पतालों से पर्याप्त बेड, ऑक्सीजन की आपूर्ति, दवाइयों और टीकों को सुनिश्चित करके पर्याप्त रूप से तैयार रहने का आग्रह करते हुए सलाह जारी की है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, वर्तमान में देश में सबसे प्रचलित वैरिएंट जेएन.1 है, जो परीक्षण किए गए नमूनों का 53 प्रतिशत है, इसके बाद बीए .2 26 प्रतिशत है तथा ओमिक्रॉन सबलाइनेज शेष 20 प्रतिशत हैं।

न्यायपालिका को सत्ता के समक्ष सच्चाई रखने की हकदार के तौर पर भी देखा जाना चाहिए : गवई

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने कहा है कि लोकतंत्र में न्यायपालिका को न केवल न्याय देना चाहिए, बल्कि उसे एक ऐसी संस्था के रूप में भी देखा जाना चाहिए जो सत्ता के सामने सच्चाई को रखने की हकदार है। न्यायमूर्ति गवई ने कहा कोई भी व्यवस्था चाहे वह कितनी भी मजबूत क्यों न हो, उसमें कुछ न कुछ खामियां जरूर सामने आती हैं और उन्हें दूर करने के प्रयास तत्काल किए जाने चाहिए। कोई भी व्यवस्था पेशेवर कदाचार के मुद्दों के प्रति संवेदनशील होती है और दुख की बात है कि न्यायपालिका के भीतर भी भ्रष्टाचार और कदाचार के मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा, "ऐसी घटनाओं का जनता के विश्वास पर नकारात्मक प्रभाव

पड़ता है, जिससे पूरी व्यवस्था की अखंडता पर लोगों का भरोसा कम हो सकता है , हालांकि इस विश्वास को फिर से बहाल करने का रास्ता इन मुद्दों से निपटने और हल करने के लिए की गई त्वरित, निर्णायक और पारदर्शी कार्रवाई में निहित है।" शीर्ष अदालत की एक विज्ञप्ति के अनुसार न्यायमूर्ति गवई ने तीन जून, 2025 को ब्रिटेन की शीर्ष अदालत में श्न्यायिक वैधता और सार्वजनिक विश्वास बनाए रखनेश विषय पर आयोजित गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करते ये विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत में जब भी ऐसे (भ्रष्टाचार और कदाचार) मामले सामने आए हैं, तो यहां शीर्ष न्यायालय ने उससे निपटने के लिए लगातार तत्काल और उचित उपाय किए हैं। न्यायमूर्ति गवई ने कहा, "आज के डिजिटल युग में, जहां सूचना स्वतंत्र रूप से प्रवाहित होती है और धारणाएं तेजी से आकार लेती हैं, न्यायपालिका को अपनी स्वतंत्रता से समझौता किए बिना सुलभ, विवेकपूर्ण और जवाबदेह होने की चुनौती का सामना करना चाहिए।" उन्होंने कहा कि विधायिका या कार्यपालिका के विपरीत, न्यायपालिका स्वतंत्रता, अखंडता और निष्पक्षता के साथ संवैधानिक मूल्यों को कायम रखकर अपनी वैधता अर्जित करती है।

न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण विचार न्यायाधीशों की कथित स्वतंत्रता है, जो उनके कार्यकाल की शर्तों और नियुक्ति प्रक्रियाओं पर निर्भर करती है। उनकी स्वतंत्रता कानूनी प्रणाली के भीतर शक्तियों के पृथक्करण को रेखांकित करती है, जिससे न्यायाधीश स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकते हैं।

राहुल गांधी देश, सेना के स्वाभिमान, आत्मसम्मान को कुचल रहे हैं : भाजपा

नयी दिल्ली,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान 'भारत के सरेन्डर' के आक्षेप पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बुधवार को कहा कि आज़ादी के बाद भारत का इतिहास कांग्रेस के पाकिस्तान के समक्ष 'सरेन्डर' (आत्मसमर्पण) की घटनाओं से भरा पड़ा है और इसी खतरनाक मानसिकता वाली आदत, फितरत और शरारत के तहत वह देश और सेना के स्वाभिमान एवं आत्मसम्मान को कुचल रहे हैं। भाजपा के प्रवक्ता एवं सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने यहां पार्टी के मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "एक तरफ भारत द्वारा भेजे गये संयुक्त संसदीय दल में तमाम

विपक्षी दलों के सांसद, जिसमें कांग्रेस के सांसद भी है। वो दुनिया के भिन्न–भिन्न देशों में भारत के पक्ष को गंभीरता के साथ और पूरे राष्ट्र की एकजुटता के साथ रखकर वापस आ रहे हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस के स्वघोषित, स्वनामधन्य, सर्वकालीन सर्वोच्च नेता और विपक्ष के नेता राहुल गांधी जी निहायत ही ओछी और स्तरहीन बातें करके यह विश्व को बता रहे हैं कि नेता प्रतिपक्ष का पद पाने के बाद भी उनके अंदर गंभीरता और नेता प्रतिपक्ष की परिपक्वता का घोर अभाव है।" डॉ त्रिवेदी ने कहा कि श्री राहुल गांधी ने जिस प्रकार से हमारी सेना द्वारा दिखाये गये अप्रतिम शौर्य और सेना के अधिकारियों द्वारा जिस प्रकार से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का विवरण दिया है, उसको सरेंडर से तुलना करना... ये दर्शाता है कि ये मानसिकता कितनी रोगी और कितनी खतरनाक हो चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक ऐसा बयान दिया है जो अपरिपक्वता के स्तर को दर्शाता है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की तुलना आत्मसमर्पण से करना न केवल हमारे भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति गहरा अनादर दर्शाता है, बल्कि उनकी कमज़ोर मानसिकता को भी उजागर करता है। अब तक उन्हें पाकिस्तान का पोस्टर बॉय माना जाता रहा है, लेकिन पाकिस्तानी सेना या उनके आतंकवादी संगठनों ने भी ऐसी शर्मनाक टिप्पणी नहीं की है।

अभिलेखों में दिखेगा पहली क्रांति का दस्तावेज

प्रयागराज। क्षेत्रीय अभिलेखागार प्रयागराज की ओर से प्रयागराज में वर्ष 1857 के पहले स्वतंत्रता आंदोलन का प्रस्फुटन दिवस दो दिनों तक मनाया जाएगा। अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क के गेट नंबर तीन पर दो दिवसीय अभिलेख व चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ पांच जून होगा। अभिलेखागार के प्रभारी गुलाम सरवर ने बताया कि पांच जून 1857 से लेकर 14 जुलाई 1858 के दौरान इलाहाबाद में एक दर्जन से अधिक स्थानों पर क्रांति की अलख जगाई गई थी। चौक स्थित ऐतिहासिक नीम के पेड़ व दहियावां किले में गोलीबारी सहित कई ऐसे दुर्लभ दस्तावेज प्रदर्शनी में दिखाए जाएंगे।

प्रयागराज में 15 जून तक निषेधाज्ञा रहेगी लागू

प्रयागराज। आगामी दिनों में गंगा दशहरा, बड़ा (बुढ़वा) मंगल, बकरीद, मोहर्रम सहित अन्य त्योहार और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं को देखते हुए जिले में तीन से 15 जून तक निषेधाज्ञा लागू रहेगी। अपर पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) डॉ. अजय पाल शर्मा ने निषेधाज्ञा जारी करते हुए सख्ती से पालन करने का निर्देश जारी किया है। उन्होंने बताया कि सांप्रदायिक संवेदनशीलता के दृष्टिगत असामाजिक तत्वों के कानून व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने की संभावना है। त्योहारों के दृष्टिगत शांति व कानून व्यवस्था कायम रखने के लिए असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखी जाएगी। साथ ही सोशल मीडिया पर भी नजर रखी जाएगी। निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने और सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

धूप-छांव के साथ गर्मी-उमस ने किया बेहाल

प्रयागराज। इस साल जून की शुरूआत धूप–छांव के साथ हुई थी लेकिन मंगलवार को झमाझम बारिश भी हुई। बारिश होने से गर्मी और उमस और बढ़ गयी। सुबह नौ बजे ही तीखी धूप दोपहर जैसे लगने लगी। हालांकि नौतपा भी ठंडी हवाओं के साथ बीत जाएगा। नौ दिनों में तीन दिन आंशिक बारिश हुई तो आठ दिनों तक सतही हवाएं चलती रहीं। इससे नौतपा में जहां भीषण तपिस की उम्मीद थी वैसा नहीं हुआ। एक और दो जून को अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस होने के बावजूद भी बादल छाए रहे। हवा न चलने से दिन और रात के तापमान में अंतर कम होने लगा। इससे गर्मी और उमस अधिक बढ़ गयी। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को भी गरज–चमक साथ बारिश होगी और तेज हवाएं चलेंगी। मौसम विभाग के अनुसार चक्रवाती परिसंचरण के कारण मौसम में बदलाव आया है। पांच जून के बाद तापमान बढ़ने के आसार हैं।

पति से विवाद के बाद महिला ने खाया जहरीला पदार्थ, मौत

प्रयागराज। एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के कादिलपुर में एक महिला ने पति से विवाद के बाद जहरीला पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत गंभीर होने पर उसे एसआरएन में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। मायका पक्ष की ओर से पति के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी गई है। पुलिस तहरीर के आधार पर मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। कादिलपुर निवासी सुरेंद्र सिंह की लगभग 20 वर्ष पहले अगवा गांव थाना सराय अकील की 35 वर्षीय अर्चना सिंह शादी हुई थी। दंपती को दो बेटी व दो बेटे हैं। पुलिस के अनुसार सोमवार को दंपती के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इससे नाराज होकर अर्चना सिंह ने घर में रखा फिनाइल का सेवन कर लिया। हालत गंभीर होने पर उसे एसआरएन में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। थाना प्रभारी विनय सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जहरीले पदार्थ के सेवन से मौत की पुष्टि हुई है। प्रथम दृष्टया पति से झगड़े के बाद फिनाइल पीकर आत्महत्या की बात सामने आई है। हालांकि मृतका की मां कमला देवी की ओर से सुरेंद्र सिंह के खिलाफ हत्या करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी गई है। मामले की जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

स्टेनोग्राफर और ट्रांसलेटर भर्ती के आवेदन आज से संभावित

प्रयागराज। कर्मचारी चयन आयोग की ओर से गुरुवार को एकसाथ दो भर्तियों के आवेदन शुरू होंगे। केंद्र सरकार के मंत्रालयों, कार्यालयों और विभागों में स्टेनोग्राफर ग्रेड सी और डी परीक्षा 2025 के तहत भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन गुरुवार से संभावित हैं। एसएससी की वेबसाइट पर 26 जून तक आवेदन होंगे और पहले चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा 12 अगस्त को संभावित है। गुरुवार को ही कंबाइंट हिन्दी ट्रांसलेटर्स परीक्षा 2025 के आवेदन भी शुरू होंगे। इसके लिए अभ्यर्थी 26 जून तक आवेदन कर सकते हैं और पहले चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा 13 से 30 अगस्त के बीच संभावित है। इससे पहले दो जून से आयोग आयोग ने फेज–ग्ग्प्य सेलेक्शन पोस्ट 2025 के 2423 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे है।

एमबीबीएस तीसरे वर्ष के पाठ्यक्रम को प्रथम वर्ष में पढ़ाया जा रहा

प्रयागराज। बदलते समय व जरूरत के अनुसार चिकित्सा शिक्षा में बदलाव जरूरी है। इसके तहत एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों के चिकित्सीय हुनर को तराशने के लिए एमबीबीएस के तीसरे वर्ष में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम को प्रथम वर्ष में भी पढ़ाया जा रहा है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण है क्लीनिकल एक्सपोजर की जानकारी। इसके माध्यम से छात्र प्रथम वर्ष से मरीजों के इलाज से संबंधित तथ्यों की जानकारी प्राप्त करते हैं। इससे जहां उन्हें प्रैक्टिकल करना आसान हो जाता है वहीं आत्मविश्वास भी बढ़ता है। एमबीबीएस में चाढ़े चार साल तक सैद्धांतिक व प्रायोगिक पढ़ाई होती है, वहीं एक साल का इंटर्नशिप करना होता है उसके बाद डिग्री मिलती है। इस दौरान पारंपरिक पाठ्यक्रमों में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों को नॉन क्लीनिकल और समस्या आधारित विषय पढ़ाए जाते थे। छात्रों के अनुसार क्लीनिकल और समस्या आधारित पढ़ाई करने से व्यावहारिक ज्ञान विकसित होने के मरीजों का और बेहतर इलाज करने में मदद मिल रही है।

काशी के बाद कामायनी एक्सप्रेस में फर्जी बम की सूचना पर बैठी जांच, आरोपी की तलाश जारी

प्रयागराज। यूपी में एक के बाद एक दो ट्रेनों में बम की सूचना से मंगलवार को हड़कंप मच गया। गोरखपुर से कुर्ला जाने वाली काशी एक्सप्रेस (15018) में बम की फर्जी सूचना देने के बाद शातिर ने कामायनी एक्सप्रेस में भी बम होने की सूचना दी। इससे खलबली मच गई। जंघई के पास ट्रेन रोकी गई। गहन जांच के बाद ट्रेन रवाना हुई। एक ही कॉलर ने दोनों ट्रेनों में बम होने की झूठी सूचना दी थी। सर्विलांस की मदद से जीआरपी की एक टीम उसकी तलाश में यूपी से बाहर भेजी गई है।

सोमवार को किसी ने कंट्रोल रूम में कॉल कर कहा कि गोरखपुर से कुर्ला जाने वाली ट्रेन नंबर 15018 काशी एक्सप्रेस की स्लीपर बोगी के एस–एक से एस–चार में, किसी बोगी में बम रखा गया है। दोपहर में तीन बजकर तीन मिनट पर जैसे ही ट्रेन जंघई रेलवे स्टेशन पहुंची, बम निरोधक दस्ते के साथ जीआरपी और आरपीएफ ने जांच की।

इस दौरान काशी एक्सप्रेस तीन घंटे तक रुकी रही। इसके रवाना होने के बाद फिर उसी कॉलर ने कंट्रोल रूम में कॉल कर कहा कि ट्रेन नंबर 11071 कामायनी एक्सप्रेस में बम रखा है। ट्रेन उस वक्त जंघई स्टेशन की ओर बढ़ रही थी। एक बार फिर से चौकी प्रभारी जीआरपी जंघई ने प्लेटफार्म नंबर पर एक ट्रेन के पहुंचते ही सघन चेकिंग कराई। बम निरोधक दस्ता भी पहुंच गया लेकिन कोई आपत्तिजनक सामान नहीं मिला। लगभग आधा घंटा बाद ट्रेन रवाना हुई। जीआरपी, एसपी, प्रशांत वर्मा ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि ट्रेन में बस की फर्जी सूचना देकर यात्रियों को परेशान करने वाले शख्स के खिलाफ ठोस कार्रवाई की जाएगी। जीआरपी की टीमें उसकी तलाश में लगी है। उसे गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद नौकरी का इंतजार

प्रयागराज। परिषदीय उच्च प्राथमिक स्कूलों में विज्ञान और गणित विषय के 29334 सहायक अध्यापकों की भर्ती में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद

बेरोजगार अभ्यर्थियों की सुनवाई नहीं हो रही है। सर्वोच्च न्यायालय ने 29 जनवरी को बेसिक शिक्षा विभाग के अफसरों को आदेश दिया था कि इस भर्ती में चयनित न्यूनतम कटऑफ से अधिक पाने वाले उन अभ्यर्थियों की नियुक्ति का आदेश दिया था जिन्होंने 31 दिसंबर 2019 के पूर्व सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं की थी। शीर्ष अदालत ने प्राथमिक के आधार पर तीन महीने के अंदर और हर हाल में छह महीने में नियुक्ति का आदेश दिया था। हालांकि चार महीने बीतने के बावजूद बेसिक शिक्षा विभाग के अफसरों ने अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है।

न तो कोई अफसर अभ्यर्थियों से कुछ बोलने को तैयार और न ही कोई सार्वजनिक विज्ञप्ति ही जारी कर रहे हैं। इस मामले में बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेन्द्र कुमार तिवारी का कहना है कि शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। जुलाई 2013 में शुरू हुई भर्ती में 1700 से अधिक पद खाली 29334 सहायक अध्यापकों की भर्ती 11 जुलाई 2013 को शुरू हुई थी। अभ्यर्थियों के अनुसार जनवरी–फरवरी 2015 तक सात राउंड की काउंसिलिंग के बाद टीईटी में 82 अंक तक पाने वाले अभ्यर्थियों की आठवें राउंड की काउंसिलिंग कराई गई और जनवरी–फरवरी 2016 में नियुक्ति पत्र दिया गया। इस बीच पूर्व में काउंसिलिंग करा चुके, लेकिन ज्वाइनिंग से वंचित अभ्यर्थियों को नवंबर 2016 में नियुक्ति का अंतिम अवसर मिला। उनकी नियुक्ति प्रक्रिया चल रही थी कि सरकार बदलने के बाद 23 मार्च 2017 को नियुक्ति पर रोक लगा दी गई। इसके खिलाफ अभ्यर्थियों ने याचिकाएं की तो हाईकोर्ट ने दो महीने में भर्ती पूरी करने का आदेश दिया, लेकिन सरकार ने उसे नहीं माना। सरकार ने हाईकोर्ट में ही स्पेशल अपील और पुर्नविचार याचिकाएं दायर की लेकिन दोनों खारिज हो गईं।

इस पर अभ्यर्थियों ने भर्ती न होने पर अवमानना याचिका दाखिल कर दी। इससे बचने के लिए सरकार ने मई 2019 में सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल अपील की थी। इस मामले में बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल हलफनामा में 1700 से अधिक पद रिक्त होने की बात बताई गई है।

दिव्यांग बच्चों के ऑपरेशन में लापरवाही पर डिप्टी सीएमओ का रोका वेतन

प्रयागराज। दिव्यांग बच्चों के ऑपरेशन में डिप्टी सीएमओ डॉ. हेमंत सिंह की लापरवाही पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक बीच में ही रोक दी। मंगलवार को सर्किट हाउस सभागार में आयोजित बैठक के दौरान डीएम ने दो दिव्यांग बच्चों के ऑपरेशन के बारे में जानकारी ली। उनका ऑपरेशन समय के साथ हो जाना चाहिए था। सीएमओ दफ्तर में तैनात डिप्टी सीएमओ की लापरवाही के कारण ऑपरेशन अब तक नहीं हुआ। इस पर जिलाधिकारी ने उनका वेतन रोकने का निर्देश दिया। इससे पहले उन्होंने अस्पतालों में सभी व्यवस्था आठ जून तक दुरुस्त करने के लिए कहा। साथ ही चिकित्सकों से कहा कि अस्पताल परिसर में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव घूमते न दिखाई दें।

अगर कोई दिखाई दिया तो उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। बैठक में डीएम ने सभी सरकारी अस्पतालों में उपकरण सहित अन्य मूलभूत उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। रोस्टर के अनुसार चिकित्सकों को पहुंचने का निर्देश दिया। उन्होंने दवाओं की उपलब्धता के बारे में पूछा तो मोतीलाल नेहरू मंडलीय चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुमन कुमार चौधरी ने बताया कि 287 दवाएं उपलब्ध हैं। डीएम ने कहा कि सभी चिकित्सालयों में मरीजों व उनके तीमारदारों के लिए एसी और वाटर कूलर के साथ पानी की पर्याप्त व्यवस्था रहे। अस्पतालों में मैनपावर की कमी के बारे में उन्हें सूची उपलब्ध कराने के लिए कहा। साफ सफाई की व्यवस्था और एम्बुलेंस की क्रियाशीलता बनाए रखने के लिए कहा। आशाओं के भुगतान के बारे में जानकारी ली। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. परवेज अख्तर पर नाराजगी व्यक्त कर लगातार मॉनीटरिंग के लिए कहा। जिलाधिकारी ने आरबीएसके की समीक्षा करते हुए कहा कि दो दिव्यांग बच्चे, जिनका आपरेशन होना है, उसके लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण कुमार तिवारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी आदि अफसर मौजूद रहे। सरकारी अस्पतालों पर रहेगी नजर सरकारी अस्पतालों और सीएचसी में औचक निरीक्षण के लिए कहा। साथ ही कहा कि जहां पर डिलेवरी नहीं कराई जा रही है, वहां पर चिकित्सकों का वेतन काटा जाए।

गूगल मैप से 34 लाख का गलत चालान, भटक रहा कारोबारी

प्रयागराज। किसी भी काम को सटीक रूप से अंजाम देने के लिए गूगल लोकेशन पर लगातार निर्भरता बढ़ती जा रही है, लेकिन कई बार यह लोकेशन जबरदस्त धोखा भी देती है। हालिया मामला बालू खनन कारोबारी का है। जब गूगल लोकेशन से लखनऊ की टीम ने 34 लाख के अवैध खनन का चालान काट दिया। कारोबारी के पास पर्ची पहुंची तो उसे जानकारी हुई कि उसे 34 लाख का जुर्माना अदा करना है, जब दस्तावेज निकाले तो लोकेशन उनके पट्टे से नौ किलोमीटर आगे थी। जब कारोबारी ने खनन विभाग में कागजातों के साथ शिकायत की तो यह कह दिया गया कि आपके बगल में अवैध खनन हो रहा था तो बताना चाहिए था। फिलहाल कारोबारी जिलाधिकारी कार्यालय शिकायत लेकर पहुंचे। डीएम ने खनन विभाग को वार्ता के लिए लिखा है। अवैध खनन पर लगाम लगाने के लिए लखनऊ मुख्यालय गूगल लोकेशन से नजर रखता है। एप के जरिए उस जगह की रिपोर्ट तैयार की जाती है, जहां पर अवैध खनन होता है। पिछले दिनों डीएम कार्यालय में मेजा के एक पट्टाधारक पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनका मेजा में खनन पट्टा है। पिछले दिनों उनके पास 34 लाख

रुपये जमा करने का नोटिस आया। जिसमें अवैध खनन होता बताया गया। जब उन्होंने जानकारी जुटाई तो पता चला कि गूगल पर लोकेशन सर्च करते हुए लखनऊ की टीम आई और यह चालान कर दिया। मामला 34 लाख रुपये का था तो जमा करना भी मुश्किल है। पट्टा धारक ने ज्येष्ठ खनन अधिकारी अजय यादव से मुलाकात की। खनन विभाग ने उन्हीं के ऊपर जिम्मेदारी टाल दी। जिसके बाद वो डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ के यहां पहुंचे। डीएम ने खनन विभाग को वार्ता कर उचित कार्रवाई के लिए निर्देश दिया। डीएम ने भी पट्टाधारक से कहा कि आपको अपने आसपास नजर भी रखनी चाहिए। अगर कुछ लगत हो रहा है तो अवगत जरूर कराएं।

एसआरएन में बिजली के खंभे दे रहे दुर्घटना को दावत

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल परिसर में सात मई को आई आंधी के दौरान बिजली के कई खंभे गिर गए थे। इसी दौरान रेडिएशन थेरेपी भवन के बगल लगे दो बिजली के खंभे

टेढे हो गए हैं। इसमें सीमेंट का खंभा एक केबल के सहारे टिका है। दोनों खंभे किसी भी समय गिर सकते हैं। खंभे के पास वाहन स्टैंड के लिए भी लोग आते–जाते हैं। खंभे के पास रेडिएशन थेरेपी कराने के लिए आने वाले मरीज बैठे रहते हैं। यदि हवा चलने से किसी दिन केबल टूटेगी तो खंभे भी गिर जाएंगे, जिससे दुर्घटना होने की संभावना है।

अर्थिंग की लागत पर कमेटी का फैसला किया नजरअंदाज

प्रयागराज। नगर निगम की बिजली कमेटी पांच पोल में अर्थिंग की लागत सात हजार रुपये निर्धारित करती है। कमेटी के इस फैसले के कुछ घंटे बाद नगर निगम का बिजली विभाग पांच पोल में अर्थिंग की लागत 19 हजार रुपये तय कर नगर आयुक्त के समक्ष स्वीकृति के लिए भेज देता है। इसकी जानकारी होने पर अपर नगर आयुक्त अरविंद राय ने पांच पोल में अर्थिंग का काम रुकवा दिया। यह मामला रिवर फ्रंट रोड का है। मुख्य अभियंता को भेजे गए पत्र में अपर नगर आयुक्त ने लिखा है कि अर्थिंग की दरों में इतना अंतर कैसे है। भिन्नता पर जवाब मांगने के साथ मुख्य अभियंता को टेंडर में भी संशोधन के लिए आदेशित किया है। मामला उजागर होने के पहले अपर नगर आयुक्त की अध्यक्षता में हुई कमेटी की बैठक में खरीदे जाने वाले सभी बिजली के सामानों की समिति सदस्यों से जांच कराने, अर्थिंग की दरें सात हजार तक सीमित करने के लिए कहा गया। कमेटी की बैठक में सदस्यों ने बिजली विभाग में काम कर रहे सभी तरह के कर्मचारियों का ब्योरा मांगा। बिजली विभाग कमचारियों की लिस्ट नहीं दे पाया। विभाग से कमेटी ने अगली बैठक में कर्मचारियों का ब्योरा पेश करने के लिए निर्देशित किया। इसके अलावा हर वार्ड में बराबर लाइट लगाने के लिए भी कहा गया है। बैठक में कमेटी के सदस्य आशीष द्विवेदी, सुमित निषाद, गुलाब पटेल, सोनिका अग्रवाल और आकाश सोनकर मौजूद रहे।

प्रयागराज मंडल के 38 रेलवे स्टेशन एरिया में लगेगा 345 एटीवीएम

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल में अब ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को रोजगार के अवसर मिलने वाले हैं। रेलवे प्रशासन ने तय किया है कि जल्द ही मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम) की सुविधा को विस्तार दिया जाएगा। इसके तहत प्रयागराज मंडल के 38 रेलवे स्टेशनों पर कुल 345 स्थानों पर एटीवीएम लगाए जाएंगे। अब तक यह काम रेलवे के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को

आउटसोर्सिंग के तहत दिया जाता था, लेकिन नई व्यवस्था के तहत बाहरी युवाओं को यह ज़िम्मेदारी दी जाएगी, जिससे उन्हें स्थायी रूप से रोजगार का अवसर प्राप्त होगा। खासतौर पर ग्रामीण इलाकों के युवा जो शहरों में रोजगार की तलाश में आते हैं, उनके लिए यह एक बड़ी राहत होगी। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इससे न सिर्फ युवाओं को रोजगार मिलेगा, बल्कि यात्रियों को भी टिकट प्राप्त करने में आसानी होगी। अब उन्हें लंबी कतारों में खड़े रहने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों को स्टेशन पर पहुंचते ही अनारक्षित टिकट मिल सकेगा, जिससे उनकी यात्रा अधिक सहज और समयबद्ध हो सकेगी। प्रयागराज मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (सीनियर डीसीएम) हिमांशु शुक्ला ने बताया कि इस योजना पर अमल किया जा रहा है। संबंधित प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जा रहा है और जल्द ही इन एटीवीएम के संचालन की जिम्मेदारी चयनित युवाओं को दी जाएगी।

वंदेभारत पर पथराव की जांच के लिए लखनऊ से पहुंची खुफिया टीम

प्रयागराज। तीन दिन पहले गोरखपुर से प्रयागराज आ रही वंदेभारत (22549) ट्रेन पर अटरामपुर से रामचौरा रेलवे स्टेशन के बीच पथराव किया गया था। इसमें ट्रेन के सी–वन कोच का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया था, जबकि ट्रेन में यात्रा कर रहे दो बच्चों को हल्की चोट आई थी। इस प्रकरण में प्रयाग आरपीएफ मुकदमा दर्ज करके जांच कर रही है।

इसके बाद अब मंगलवार को गोरखपुर जाने वाली वंदेभारत में पथराव हो गया। इसकी जांच के लिए लखनऊ से खुफिया एजेंसी की टीम प्रयागराज में डेरा डाली है। अटरामपुर जाकर भी जानकारी जुटाई। अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है कि वंदेभारत पर पथराव किसने किया है।

खेत में मिला सड़ा गला शव

मंसूरपुर। थाना क्षेत्र में बुधवार सवेरे खेत पर काम कर रहे लोगों में अफरातफरी मच गई। जब लोगों ने एक व्यक्ति का गला सडा शव नावला के जंगल में ईंख के खेत में पड़ा देखा। जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। खेत पर काम कर रहे लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक युवक की पहचान मुकुल कुमार पुत्र

रजनीश कुमार निवासी नावला के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार मुकुल हाईवे स्थित एक होटल पर काम करता था। शनिवार की शाम घर से होटल के लिए निकला था। होटल पर मुकुल दो चार दिन भी रुक जाता था। इसलिए परिजनों को कोई शक नहीं हुआ। मृतक की पत्नी भी अपने मायके गई हुई थी। शव की सूचना मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंचे और शव की पहचान की। मुकुल के परिजनो ने हत्या कर शव को खेत में फेंकने की आशंका जताई है। थाना प्रभारी सुभाष अत्री ने बताया कि शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है और पूरे मामले की जांच के लिए फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है। प्रारंभिक जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शव इतना सड़ चुका है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

महिला सुरक्षा को लेकर एसपी ग्रामीण ने दिए निर्देश

मथुरा।महिला पुलिस बीट की क्रियाशीलता को सुदृढ़ किए जाने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार के निर्देश पर सुरेश चंद्र रावत पुलिस अधीक्षक ग्रामीण द्वारा जनपद के समस्त थानों की महिला बीट पुलिस अधिकारियों की गोष्ठी

पुलिस लाइन सभागार में की गई। जनपद में गठित समस्त 51 महिला बीट पुलिस अधिकारियों द्वारा इसमें प्रतिभाग किया गया स सभी को निर्देशित किया गया कि नियमित रूप से अपनी–अपने बीट के गांव /मोहल्ले में भ्रमण करते हुए महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधिक गतिविधियों की सूचना संकलित करें स जिन महिलाओं बच्चियों के साथ आपराधिक घटनाएं पूर्व में घटित हुई हैं उनसे मिलकर वर्तमान स्थिति ज्ञात कर उन्हें सुरक्षा का एहसास दिलाए तथा बीट में महिलाओं की गोष्टी करके उन्हें अपराधों से बचने हेतु जागरूक करें।

संगीता जैन, सदस्य राज्य महिला आयोग, उत्तर प्रदेश सरकार ने सुनीं पीड़ित महिलाओं की समस्यायें

संगीता जैन, सदस्य राज्य महिला आयोग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अपने बिजनौर स्थित शिविर कार्यालय पर दूर दराज से आयी पीड़ित महिलाओं की समस्यायें सुनी गई एवं जनपद बिजनौर के कई कार्यालयों व संस्थाओं का निरीक्षण किया गया।

बिजनौर। प्रदेश की डबल इजंन की सरकार द्वारा माननीय मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ के बहुस्तरीय प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए श्रीमती संगीता जैन, सदस्य राज्य महिला आयोग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बिजनौर स्थित शिविर कार्यालय पर दूरदराज से आयी महिलाओं की समस्याऐं सुनी गई। संगीता जैन द्वारा हल्दौर के सरकारी अस्पताल का निरीक्षण किया गया जिसमें अव्यवस्थाऐं भी पायी गयी जिनके निवारण हेतू सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया, उनके द्वारा बिजनौर के वन स्ट्रोक सेंटर का निरीक्षण भी किया गया। इं० बसन्त कुमार गोयल, सचिव सर्व समाज समन्वय समिति ने बताया कि उनके द्वारा बालिकाओं, महिलाओं व समाज के कमजोर व उपेक्षित वर्ग की समस्यायें विशेष रूप से सुनी गई।

आईटीआई लखनऊ में रोजगार मेला आज

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना अंतर्गत 5 जून को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान लखनऊ में रोजगार मेले का आयोजन हो रहा है। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप युवाओं को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से यह आयोजन किया जा रहा है।राजकीय आईटीआई अलीगंज के प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि कैम्पस ड्राइव में सुजुकी मोटर्स, हीरो मोटोकार्प सहित 8 प्रतिष्ठित कम्पनियाँ प्रतिभाग करेंगी। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अवसर का लाभ उठाएं और अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करें।संस्थान के ट्रेनिंग, काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट अधिकारी एमए खाँ ने बताया कि रोजगार मेले में 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा, डिग्री धारक एवं कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थी भाग ले सकेंगे। सुजुकी मोटर्स चयनित अभ्यर्थियों को 24,550 रूपए मासिक वेतन तथा 18,300 रूपए स्टाइपेण्ड देगी।

गंगा स्नान को शुकतीर्थ पहुंचे श्रद्धालू, डी एम व एस एस पी ने किया दौरा

मोरना। तीर्थनगरी शुकतीर्थ मे आयोजित होने वाले ज्येष्ठ दशहरा गंगा स्नान मेले में श्रद्धालुओं का आगमन बुधवार को शुरू हो गया। ट्रेक्टर ट्रॉली व अन्य वाहनों के द्वारा श्रद्धालुओं की भारी भीड़ शुकतीर्थ पहुंची मेले के दौरान सुरक्षा व अन्य व्यवस्थाओं को सुदृढ बनाने को लेकर जनपद के जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एस पी ग्रामीण सहित एस डी एम आदि ने तीर्थ मे पहुंच और सभी व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष ने भी श्रद्धालुओं को अधिक से अधिक सुविधाएं प्रदान करने को अधिकारियों से बात की।

तीर्थनगरी शुकतीर्थ मे गुरुवार की सुबह सवेरे मुख्य स्नान किया जायेगा।जिसके लिए श्रद्धालू तीर्थ नगरी पहुंचे जहाँ वह गंगा घाट पर स्नान करने के बाद प्रसिद्ध शुकदेव आश्रम मे स्थित मंदिर, हनुमद्धाम, गणेश धाम, शिव धाम, दुर्गा धाम, मां बगलामुखी आदि मंदिरों में पूजा अर्चना कर श्रद्धाभाव से प्रसाद चढ़ाकर मन्नतें मांग रहे हैं। मेले के बाजारों में सामान खरीदने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ लगी हुई है। शुकदेव आश्रम स्थित प्राचीन अक्षय वट वृक्ष की परिक्रमा कर धागा बांधने वाले श्रद्धालुओं की भी दिन भर भीड़ लगी रही। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए मेले में जगह–जगह पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। वहीं बुधवार की सुबह सवेरे शुकतीर्थ पहुंचे जिलाधिकारी उमेश मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल, सीडीओ कंडारकर कमल किशोर देशबंधु, एसडीएम जानसठ जयेन्द्र सिंह, डीपीआरओ धर्मेन्द्र सिंह, नायब तहसीलदार ब्रजेश सिंह, एएमए योगेश कुमार आदि के साथ मिलकर मुख्य गंगा घाट पर विशेष सफाई अभियान चलाकर गंगा से जलकुम्भी निकाली। इसके उपरांत एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने एसपी देहात आदित्य बंसल, सीओ भोपा डॉ. रविशंकर मिश्रा, प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश सिंह के साथ नगरी के मुख्य मार्गों, मीना बाजार, गंगा घाट पर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। घाट पर अनेक श्रद्धालुओं ने अपने बच्चों का मुण्डन संस्कार कराया। प्राचीन दंडी आश्रम, रविदास आश्रम, सत साहेब आश्रम, खिचड़ी वाले बाबा का आश्रम, श्री महेश्वर आश्रम, मानव निर्माण योग आश्रम, सच्चा प्रकाश आदि में सत्संग प्रवचन कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

मेले के दौरान साफ सफाई बनाये रखने को लेकर जिलाधिकारी व जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल ने गंगा घाट पर विशेष सफाई अभियान चलाया। तथा गंगा मे फैली जलकुम्भी को साफ किया गया। डॉ. वीरपाल निर्वाल ने घाट पर मौजूद पुरोहितो व दुकानदारो को साफ सफाई रखने की विशेष हिदायत की।

जिला पंचायत अध्यक्ष के साथ आज जिलाधिकारी ने आगामी गंगा दशहरा मेले के अवसर पर शुक्रतीर्थ क्षेत्र का निरीक्षण कर मेले में कि गई व्यवस्थाओं देखा तथा संबंधितों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत एवं जिलाधिकारी ने शुक्र तीर्थ गंगा घाट पर श्रमदान किया गया

मुजफ्फरनगर। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री वीरपाल निर्वाल के साथ आज जिलाधिकारी श्री उमेश मिश्रा ने आगामी गंगा दशहरा मेले के दृष्टिगत शुक्रतीर्थ गंगा घाट स्थल का निरीक्षण कर मेले में कि गई व्यवस्थाओं देखा तथा संबंधितों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश। प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी का प्रस्ताविक जनपद भ्रमण कार्यक्रम के अन्तर्गत अध्यक्ष जिला पंचायत एवं जिलाधिकारी ने शुक्र तीर्थ स्थल के बने शमन दास आश्रम का भी निरीक्षण किया। सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रस्तावित कार्यक्रम से पूर्व सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कि जाए। उन्होंने सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

अध्यक्ष जिला पंचायत एवं जिलाधिकारी ने शुक्र तीर्थ स्थल एवं गंगा घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने मेले से पूर्व सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए मेले स्थल की साफ सफाई पर विशेष ध्यान देते हुए, साफ सफाई सुनिश्चित करें, साथ ही मेले से पूर्व नाव एवं गोताखोरों की गंगा घाट पर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए । गंगा घाट पर बेरीकेटिंग की जाए। पीने की पानी, विद्युत आपूर्ति तथा शौचालय पार्किंग व्यवस्था आदि की व्यवस्थाओं करने के संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। महिलाओं को गंगा घाट पर स्नान घर बनाये जाए। मेले में पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत एवं जिलाधिकारी ने शुक्र तीर्थ गंगा घाट स्थल पर श्रमदान भी किया गया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री कंडारकर कमल किशोर देशभूषण, उप जिलाधिकारी जानसठ, ए एम ए जिला पंचायत श्री योगेश कुमार,जिला पंचायत राज अधिकारी, सहित अन्य संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

छात्रों ने मचाया उपद्रव,घरों पर पथराव किया, 3 कार में तोड़फोड़, 5 लोग घायल

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के जानकीपुरम इलाके में हॉस्टल के छात्रों ने कॉलोनी में जमकर उत्पात मचाया। घटना में पांच लोग घायल हो गए। उपद्रवी छात्रों ने मोहल्ले में खड़ी कारों के कांच भी तोड़ दिए। पुलिस मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच कर रही है। जानकी विहार कॉलोनी जानकीपुरम के अंकित मिश्रा ने बताया पवन कुमार निवासी महानगर चार मंजिल अवैध हॉस्टल चलाते हैं। जहां रहने वाले छात्र रोजाना कॉलोनी में उपद्रव करते हैं। हॉस्टल में करीब 100 से ज्यादा लड़के रहते हैं। अंकित ने बताया कि छात्र गुट बनाकर हाथ में बियर की बोतल व सिगरेट लेकर

रिहायशी कालोनी में घूमते हैं। लोगों के गेट के सामने खड़े होकर सिगरेट और बियर पीते हैं। महिलाओं और बच्चियों के निकलने पर छींटाकशी करते हैं। कालोनी के लोगों ने कई बार जानकी विकास महासमिति के पदाधिकारियों, डायल112 और थाने में शिकायत की। कार्रवाई न होने की वजह से इनकी हिम्मत बढ़ गई। मंगलवार रात 11 बजे हॉस्टल के बाहर ईंटा, पत्थर– गुम्मा और फायरिंग की आवाज सुनाई दी। जिससे कालोनी के लोग बाहर निकले, तो हॉस्टल में रह रहे लड़के और तमाम बाहरी लड़के गाली गलौज करते हुए झगड़ा कर रहे थे। जिसका कॉलोनी के लोगों ने विरोध किया तो उन लोगों ने कालोनी में खड़ी गाड़ियों के शीशे और बोनट तोड़ डाले। घरों में पथराव करने लगे। राड और असलहा लहराते हुए करीब 20 मिनट तक तांडव किया। बवाल देखकर कालोनी में अफरा–तफरी का माहौल हो गया। लोग दहशत में आ गए। 03 गाड़ी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। लोग अपनी घर और गाड़ी बचाने के लिए निकले, तो उनके साथ जमकर मारपीट की। पिस्टल तानकर जान से मारने की धमकी दी।

अपोलोमेडिक्स में 16 वर्षीय किशोर की हुई सफल हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी

मरीज को 9 वर्ष की उम्र में कूल्हे की हड्डी में हुआ था फ्रैक्चर

लखनऊ, संवाददाता। अपोलो हॉस्पिटल्स, लखनऊ ने चिकित्सा क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 16 वर्षीय किशोर की टोटल हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी में सफलता प्राप्त की। यह किशोर क्षेत्र में सबसे कम उम्र का मरीज है, जिसका इस तरह का जटिल ऑपरेशन किया गया। मरीज को 9 वर्ष की उम्र में कूल्हे की हड्डी (फीमर) में फ्रेक्चर हुआ था। आर्थिक कारणों के चलते समय पर उपचार नहीं हो सका, जिससे हड्डी धीरे–धीरे गल गई और कूल्हे के जोड़ की हड्डी (फीमर हेड) पूरी तरह खत्म हो गई। इसके कारण मरीज को लगातार दर्द, प्रभावित पैर की लंबाई में कमी, कूल्हे के आसपास मांसपेशियों की सिकुड़न के कारण चलने में हुई गंभीर परेशानी से जूझना पड़ता था। डायरेक्टर, ऑर्थोपेडिक्स एंड जॉइंट रिप्लेसमेंट, अपोलो हॉस्पिटल्स लखनऊ, कर्नल (डॉ.) नरेंद्र कुमार ने बताया कि जब यह बच्चा हमारे पास आया तब वह काफी दर्द में था और लंगड़ाकर चल रहा था। उसकी चाल और सिकुड़कर छोटे हुए पैर से दूसरा कूल्हा और पीठ की अवस्था भी प्रभावित हुई थी। सामान्यतः हिप रिप्लेसमेंट अधिक उम्र में किया जाता है, जब हड्डियां पूरी तरह विकसित हो चुकी होती हैं। लेकिन मरीज की गंभीर स्थिति और लगातार हो रहे असहनीय दर्द के कारण तुरंत हस्तक्षेप जरूरी हो गया। सर्जरी को लेकर हमने परिवार को इसके लाभ और संभावित जोखिमों की पूरी जानकारी दी। एमडी और सीईओ, अपोलो हॉस्पिटल्स लखनऊ, डॉ. मयंक सोमानी ने अस्पताल की उन्नत क्षमताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अपोलो हॉस्पिटल्स लखनऊ में हमारे पास अत्याधुनिक तकनीक, स्टेट–ऑफ–द–आर्ट इंस्ट्रूमेंट्स और अनुभवी सर्जनों की टीम है, जो पूरे क्षेत्र से रेफर होकर आने वाले जटिल मामलों का इलाज करती है। इस केस में हमने टाइटेनियम सॉकेट और स्टेम के साथ लेटेस्ट डेल्टा सिरैमिक बॉल वाला बेहतरीन इम्प्लांट इस्तेमाल किया, जिससे काम की बेहतर क्षमता और लंबे समय तक इसका टिके रहना सुनिश्चित है। यह तकनीक विशेष रूप से जटिल सर्जरी में असरदार होती है। सर्जरी लगभग डेढ़ घंटे चली। इसके बाद मरीज को पांच दिनों के भीतर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। सर्जरी के कुछ ही हफ्तों में वह बिना सहारे के चल पा रहा है।

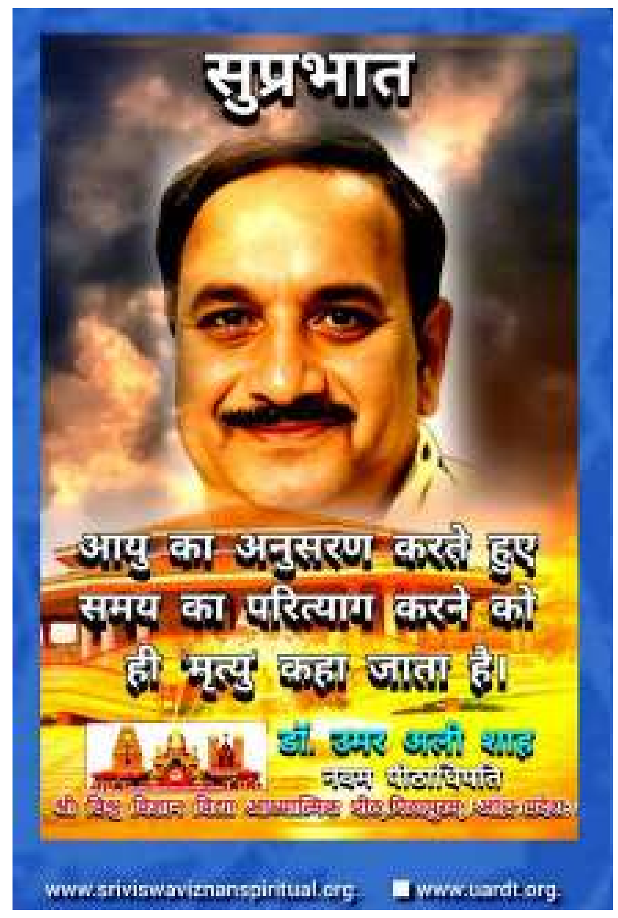

मौसम करे निनाद

(कुण्डलिया)

शोर मचाते फालसे, मौसम करे निनाद।
खिन्नी गायब हो गई, करूँ कहाँ फरियाद।
करूँ कहाँ फरियाद, बता दे आकर कोई।
बढ़ता लालच लोभ,देख हरियाली सोई।
सुन लो कहें प्रदीप,वृक्ष चुपचाप बताते।
कातिल का ले नाम, जहाँ में शोर मचाते।।

प्रकृति सिखाती है सदा, अच्छी–अच्छी बात।
दूजों की करना मदद,बनकर सदा प्रभात।
बनकर सदा प्रभात,मुश्किलों से टकराकर।
करना सबका काम, राह सच्ची दिखलाकर।
सुन लो कहें प्रदीप,नदी भी यही बताती।
मौसम के अनुसार, हमेशा प्रकृति सिखाती।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

विश्व पर्यावरण दिवस व गंगा दशहरा आज लोकपाल सामजिक कार्यकर्ता समाज शेखर विविध कार्यक्रम में करेंगे प्रतिभाग

भयहरण नाथ धाम में शिव गंगा तालाब पर आयोजित श्रमदान व धाम व नदी पूजन कार्यक्रम में होंगे शामिल

–मानिकपुर गंगा घाट पर आयोजित माँ गंगा दशहरा समारोह में पत्रकार महासंघ के साथ होंगे शामिल

प्रतापगढ़। पानी व पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता जनपद के लोकपाल मनरेगा व जिला भू गर्भ जल परिषद के नामित सदस्य समाज शेखर विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। सुबह १० बजे भयहरण नाथ धाम में शिव गंगा

तालाब पर आयोजित श्रमदान व धाम व बकुलाही नदी पूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे। लोकपाल समाज शेखर अपराह्न 2 बजे शिकायतों के क्रम में विहार व बाबागंज के अपेक्षित ग्रामों का भ्रमण व निरीक्षण करेंगे। 3 बजे श्रृंगवेरपुर धाम प्रयाग में गंगोत्सव कार्यक्रम में आयोजित संगोष्ठी में शामिल होंगे। शाम 4 बजे कालाकांकर ब्लाक के अतौलिया ग्राम स्थित साई धाम स्थित दुवर नदी से जुड़े नाले का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। वही शाम 6 बजे मानिकपुर गंगा घाट पर भारतीय पत्रकार महासंघ द्वारा आयोजित माँ गंगा दशहरा एवं पत्रकार सम्मान समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा नाम कुछ दस्तावेजों में **Ruchi Mishra** एवं कुछ दस्तावेजों में **Ruchi C. Mishra** है। सभी दस्तावेजों के नाम में एक रूपता रहे इसलिये मुझे अब से **Ruchi Mishra** के नाम से जाना व पहचाना जाय।

रुचि मिश्रा
पुत्री चंद्र भूषण मिश्रा
पता- वाई 2 डी 172 त्रिवेणीपुरम, झूंसी, प्रयागराज-211019

सम्पादकीय........

एक और युद्ध

हाल ही में भारतीय चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ जनरल अनिल चौहान का एक चौंकाने वाला बयान सामने आया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना की पंद्रह फीसदी ऊर्जा भ्रामक सूचनाओं व फर्जी खबरों से जूझने में लगी। यह बयान न केवल चिंताजनक है बल्कि परेशान करने वाला भी है। यूं तो विश्व युद्धों के दौरान भी घातक व भ्रामक सूचनाओं के युद्ध परंपरागत युद्ध के साथ लड़े गए, लेकिन हाल के वर्षों में सूचना क्रांति व डिजिटल युग में यह चुनौती बेहद जटिल हो गई है। हिटलर के प्रचारतंत्र के मुखिया का वह बयान अकसर दोहराया जाता है कि सौ बार एक झूठी खबर को दोहराने से वह सच बन जाती है। इस बार 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भी कुछ ऐसा ही देखने में आया। यह हकीकत है कि भारत ने त्वरित व सटीक कार्रवाई से न केवल पाकिस्तान में बड़े आतंकी ठिकाने ध्वस्त किए बल्कि पाक वायु सेना को भी भारी क्षति पहुंचायी। वहीं हमने हवाई हमलों की रूसी प्रतिरोधक प्रणाली व स्वदेशी रक्षा कवच से पाक के मिसाइल व ड्रोन हमले विफल कर दिये। इसके बावजूद फर्जी व भ्रामक सूचनाओं के जरिये पाकिस्तानी जनमानस को बताया गया कि जीत पाकिस्तान की हुई है। बाकायदा विजय जुलूस निकाले गए, मिठाइयां बांटी गई। इतना ही नहीं करारी शिकस्त के बावजूद सेना प्रमुख को फील्ड मार्शल बना दिया गया। भ्रामक–फर्जी सूचनाओं का यह सैलाब बाहर व भीतर दोनों तरफ से था। देश की जनता ऊहापोह में रही कि वास्तविकता क्या है। खबरों की तार्किकता के लिये सेना को भी जद्दोजहद करनी पड़ी। बाकायदा विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के साथ सेना के अधिकारियों ने तथ्यों की तार्किकता के साथ अपनी बात रखी। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान ने अपने मित्रों व दुनिया के अन्य देशों को गलत सूचनाएं देकर बरगलाने का प्रयास किया। इस दिशा में तमाम राजनीतिक दलों के भारतीय सासंदों ने विभिन्न देशों में पहुंचकर भारत के पक्ष को मजबूती से रखा। इसके बाद ही कोलंबिया को पाक के पक्ष में दिए बयान को वापस लेने को बाध्य किया। बहरहाल, अब वह वक्त आ गया है कि परंपरागत युद्ध के साथ–साथ नैरेटिव व सूचना युद्ध की भी तैयारी की जाए। तेज सूचना तंत्र और सोशल मीडिया के दौर में कैसी–कैसी खबरें निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा गढ़ी जाती हैं, ये हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखा। एआई की मदद से काल्पनिक कथानक तैयार करके झूठ को सच बनाने की कवायद की गई। दरअसल, आईटी क्रांति ने सूचनाओं के प्रसार को अभूतपूर्व गति दी है। ये काम पाकिस्तान इस दौरान करता रहा है। आधा दर्जन भारतीय फाइटर जेट गिराने के दावे पाक करता रहा तो चीन का सरकारी मीडिया पाकिस्तान के मंसूबों को हवा देता रहा। ये घटनाक्रम हमें सचेत करता है कि आने वाले वक्त में भारत को आक्रामक सूचना युद्ध के मुकाबले को फुलप्रुफ तंत्र विकसित करना पड़ेगा। निस्संदेह, ऐसी भ्रामक सूचनाएं सैन्य अभियानों के मार्ग में तो अवरोध खड़े करती ही हैं, साथ ही देश की जनता का मनोबल भी गिराती हैं। ये एक तरह से राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये भी चुनौती है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद देश में पाकिस्तान के लिये जासूसी के तमाम मामले प्रकाश में आए। यह भी एक तरह का सूचना युद्ध ही था। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसरों के जरिये भारत से जुड़ी गोपनीय सूचनाएं जुटाई जा रही थी। साथ ही सोशल मीडिया के जरिये भारतीय सेना की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। वहीं दूसरी ओर इस तरह की फर्जी व भ्रामक सूचनाएं अंतर्राष्ट्रीय जनमत को भी प्रभावित करती हैं। यही वजह है कि आसन्न संकट को देखते हुए सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने सूचना युद्ध के मुकाबले के लिये सेना की एक नई विंग बनाने की जरूरत पर बल दिया। दरअसल, युद्ध जैसी स्थितियों में भ्रामक सूचनाओं का तुरंत कारगर ढंग से तथ्यों के जरिये मुकाबला करने की सख्त जरूरत होती है। निस्संदेह, नये दौर में परंपरागत युद्ध के साथ आधुनिक तकनीक व सूचना माध्यमों की बड़ी भूमिका होती जा रही है। जितना जल्दी हम इस नये तरह के युद्ध के लिये खुद को तैयार कर लें, उतनी ही बढ़त हम युद्ध के दौरान ले सकते हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध में सही साबित हुए राहुल

डॉ. दीपक पाचपोर

यूक्रेन का कहना है कि रूस के पास ऐसे करीब 120 विमान हैं, जिनमें से 40 को नष्ट कर उसने रूस को बड़ी सैन्य क्षति पहुंचाई है और इस तरह युद्ध में बढ़त ले ली है।

पिछले तीन सालों से रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में एक अब बड़ा मोड़ आ गया है और आशंका तीसरे विश्वयुद्ध की जताई जा रही है। दरअसल यूक्रेन ने दावा किया है कि उसने ड्रोन हमलों में रूस के 40 से अधिक बमवर्षक विमानों को निशाना बनाया है। इनमें टीयू –95 और टीयू–22 बमवर्षक विमान भी शामिल हैं। ये दोनों एयरक्राफ्ट परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम थे। यूक्रेन का कहना है कि रूस के पास ऐसे करीब 120 विमान हैं, जिनमें से 40 को नष्ट कर उसने रूस को बड़ी सैन्य क्षति पहुंचाई है और इस तरह युद्ध में बढ़त ले ली है। इस हमले की जानकारी खुद यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोदीमीर जेलेंस्की ने देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि आज एक शानदार अभियान चलाया गया कृ दुश्मन की जमीन पर, केवल सैन्य लक्ष्यों को निशाना बनाया गया। विशेष रूप से उन उपकरणों को निशाना बनाया गया जिनका इस्तेमाल कर यूक्रेन पर हमला किया गया। रूस पर यूक्रेन ने जो हमला किया है, उसका एक खास पहलू यह है कि लगभग 11 महीनों की गुप्त तैयारी के बाद रूस की जमीन से ही उसके विमानों को निशाना बनाने का दुस्साहस यूक्रेन ने दिखाया है। यूक्रेन ने कहा है कि इस हमले को 'ऑपरेशन स्पाइडर्स वेब' के तहत अंजाम दिया गया। इसमें कई छोटे ड्रोनों को रूस में स्मगलिंग के जरिए पहुंचाया गया। उन्हें मालवाहक ट्रकों में रखा गया। इसके बाद हजारों मीलों दूर अलग–अलग चार जगहों पर ले जाकर उन्हें नजदीकी सैन्य हवाई अड्डों पर निशाना साध कर चलाया गया। इस हमले के बाद अब रूस की तरफ से कैसे जवाबी हमला किया जाता है इसको लेकर आशंकाएं बढ़ गई हैं, क्योंकि अब परमाणु अस्त्र के इस्तेमाल का अनुमान लगाया जा रहा है। जानकार यूक्रेन के इस हमले की तुलना द्वितीय विश्व युद्ध में पर्ल हार्बर पर हमले से कर रहे हैं जिसके बाद जापान को घुटनों पर लाने के लिए परमाणु बम अमेरिका ने गिराए थे। हालांकि इन हमलों के बीच ही तुर्किए में रूस और यूक्रेन दोनों के बीच युद्ध रोकने पर वार्ता भी होनी थी, तो माना जा रहा है कि यूक्रेन ने रूस पर दबाव बनाने के लिए अभी हमले करवाए। जेलेंस्की अब भी कह रहे हैं कि रूस हमारी बात सुने तो शांति संभव है। गनीमत है कि इतने भीषण हमलों के बीच शांति की बात हो रही है। हालांकि अमेरिका भी पहले रूस–यूक्रेन के बीच युद्धविराम की पेशकश कर चुका है, मगर बदले में वह जिस तरह यूक्रेन के प्राकृतिक संसाधन चाहता है, उस पर जेलेंस्की ने हां नहीं कहा है। कुछ महीनों पहले दोनों के बीच व्हाइट हाउस में जो तीखी बहस हुई थी, उसे पूरी दुनिया ने देखा। अब यूक्रेन यह मान रहा है कि उसने इन हमलों से अमेरिका को भी अपने सामर्थ्य का एहसास करा दिया है। पाठक जानते हैं कि रुस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम को लेकर अमेरिका ने उसी तरह की दखलंदाजी की, जैसी इस समय भारत और पाकिस्तान के बीच के अल्पकालिक संघर्ष में की थी। पाकिस्तान तो पूरी तरह अमेरिका परस्त देश है, इसलिए उसने इस दखलंदाजी को न केवल सहर्ष स्वीकार किया, बल्कि इसके लिए धन्यवाद भी दे दिया। जबकि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस पर अब तक मुंह नहीं खोला है कि ट्रंप को हमारे मामले में इतना दखल देने का हक कैसे मिला। बहरहाल, यूक्रेन के हमले के बाद अब अमेरिका ने फिर दावा किया है कि रूस कुछ बड़ा करने वाला है। लेकिन यूक्रेन और रूस दोनों आपस में लड़ते हुए भी अमेरिका को किस तरह ज्यादा बीच में नहीं पड़ने दे रहे हैं, यह भी वैश्विक कूटनीति का एक दिलचस्प पहलू है। क्योंकि कुछ दिन पहले डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पुतिन को लेकर कहा था कि श्वह आग से खेल रहे हैं!श जिसके बाद पूर्व राष्ट्रपति और रूस की नेशनल सिक्योरिटी बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी दिनित्री मेदवेदेव ने जवाब दिया था कि श्मैं सिर्फ एक ही बुरी चीज जानता हूं – तीसरा विश्व युद्ध। मुझे उम्मीद है कि ट्रंप इसे समझते हैं! वैसे रूस ने यह तो स्वीकार किया है कि यूक्रेन की तरफ से हमला हुआ है, लेकिन कितना नुकसान वास्तव में हुआ है, यह नहीं बताया है। अपने पांच प्रांतों में यूक्रेनी हमलों की पुष्टि करते हुए रूस ने इसे श्आतंकी हरकतश बताया है। साथ ही यह भी बताया है कि उसके कुछ विमानों में ड्रोन हमलों के कारण आग लगी है। इतनी स्वीकारोक्ति भी तब बहुत बड़ी बात लगने लगती है, जब हम अपने देश में देखते हैं कि सरकार कैसे चीजों पर पर्दा डालने की कोशिश करती है। पाकिस्तान के हमले में कितने विमानों को नुकसान हुआ, इस सवाल का जवाब सार्वजनिक तौर पर न सही, कम से कम सर्वदलीय बैठकों में सरकार विपक्ष को दे देती तो फिर विदेशी मीडिया को हमारे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ से यही सवाल करने की नौबत ही नहीं आती। लेकिन मोदी सरकार युद्ध जैसे गंभीर माहौल में सियासी चाल चलने से खुद को रोक नहीं पा रही। ऑपरेशन सिंदूर का जश्न मनाते पूरे देश में प्रधानमंत्री घूम रहे हैं और पहलगाम के बाद बढ़ी उलझनें सुलझ ही नहीं पा रही हैं। बहरहाल, यूक्रेन ने जिस तरह इस बार रूस को चौंका दिया है, उसके पीछे युद्ध में ड्रोन का इस्तेमाल है। याद करें कि इस साल फरवरी में राहुल गांधी ने एक वीडियो जारी कर बताया था कि ड्रोन ने युद्ध में क्रांति ला दी है। इसकी बैटरी, मोटर और ऑप्टिक्स ने मिलकर युद्ध के मैदान में संचार का अभूतपूर्व तरीका इजाद किया। रूस–यूक्रेन युद्ध में बड़े–बड़े टैंकों का इस छोटे से ड्रोन के कारण सफाया हो रहा है।

राजनीतिक उथल-पुथल के कारण दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्थाएं संकट में

आशीष विश्वास

दक्षिण एशिया में आम तौर पर, हाल के दिनों में राजनीति से जुड़ी सामूहिक हिंसा का स्तर बढ़ रहा है, जिससे अधिकांश देशों में सत्तारूढ़ दलों,प्रतिष्ठानों में चिंताएं पैदा हो रही हैं। बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, म्यांमार या भारत में ऐसी हिंसा से लाखों लोगों के जीवन पर नकारात्मक असर पड़ा है! इसके अलावा, कोविड के बाद की अवधि के दौरान बिगड़ती आर्थिक स्थिति भी मौजूदा सामाजिक तनावों में योगदान देने वाले एक प्रमुख कारक के रूप में उभरी है। नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश में थिंक टैंक विशेषज्ञों, अर्थशास्त्रियों और राजनीतिक नेताओं ने पूरे क्षेत्र में लोकतांत्रिक शासन प्रणाली के भविष्य के बारे में अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं। वर्तमान राजनीतिक रुझानों का बड़े पैमाने पर विश्लेषण करने वाले पर्यवेक्षकों का कहना है कि चीन और यूरोप में लंबे समय से आर्थिक संकट चल रहा है, जिसके कारण दुनिया भर में उत्पादन में कमी आई है और अफ्रीका और एशिया के छोटे देशों में मांग में कमी आई है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका में 2008–09 के सबप्राइम आर्थिक संकट के कारण मंदी आई थी, जिसके प्रभाव अभी भी कम नहीं हुए हैं। इसके अलावा, हाल ही में कोरोना महामारी के प्रकोप के कारण अल्पावधि में विश्व अर्थव्यवस्था में स्थिरता की संभावनाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं, जिससे कई देशों में मंदी जैसी स्थिति पैदा हो गयी है। यूक्रेन और मध्य पूर्व में सशस्त्र संघर्ष छिड़ गये हैं, जिससे जान–माल का भारी नुकसान हुआ है। इन लड़ाइयों को सुलझाने के लिए शीर्ष स्तर की वार्ता अभी शुरू हुई है और कोई नहीं जानता कि इसमें कितना समय लग सकता है। वर्तमान स्थिति ने कुछ देशों को दूसरों की तुलना में अधिक प्रभावित किया है। हाल ही में, बांग्लादेशी अर्थशास्त्री और राजनीतिक नेता मध्यम अवधि में देश के भविष्य के बारे में अपनी गहरी चिंताएं व्यक्त कर रहे हैं। निर्यात में लगातार बेहतर प्रदर्शन करने या साल दर साल बढ़िया प्रेषण अर्जित करने के मामले में बांग्लादेश पाकिस्तान समेत कई देशों से काफी आगे है। प्रति व्यक्ति जीडीपी आय के मामले में इसने भारत से बेहतर प्रदर्शन किया है! पिछले दशक के दौरान बांग्लादेश के प्रभावशाली आर्थिक प्रदर्शन ने इसे मध्यम आय वाले देशों की श्रेणी में शामिल होने में सक्षम बनाया था, क्योंकि इसने संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त कुछ मानदंडों को आसानी से पूरा किया था। दुर्भाग्य से, बांग्लादेश में मौजूदा राजनीतिक संकट ने इसकी अर्थव्यवस्था को और मजबूत करने और अधिक विकसित देशों के बीच भी अपनी स्थिर आर्थिक प्रगति जारी रखने की इसकी पहले की उच्च्च उम्मीदों को खत्म कर दिया है। ढाका स्थित विश्लेषकों को अब डर है कि लगभग 1700 लाख लोगों वाले देश में कम से कम 320 लाख युवा बेरोजगार हैं। इससे भी बदतर यह है कि यूरोप और अमेरिका दोनों ही विदेशियों के प्रवेश को प्रतिबंधित कर रहे हैं, चाहे वे छात्र हों या श्रमिक, जिससे बांग्लादेश जैसी निर्यात–उन्मुख और जनशक्ति पर निर्भर अर्थव्यवस्थाओं के लिए चीजें पहले से कहीं अधिक कठिन हो गयी हैं। बांग्लादेश में कुछ राजनीतिक नेता हाल के दिनों में गरीब लोगों की संख्या में तेजी से वृद्धि को लेकर चिंतित हैं क्योंकि देश पर कार्यवाहक प्रशासन का शासन है। अवामी लीग (एएल) विरोधी तख्तापलट के बाद पिछले नौ महीनों के दौरान, उन्हें डर है कि कम से कम 350 से 400 लाख लोग गरीब से बहुत अधिक गरीबी स्तर पर पहुंच गये हैं। अस्थायी रूप से प्रभारी नेता के रूप में, डॉ. एम यूनुस ने निश्चित रूप से आईएमएफ और विश्व बैंक जैसी प्रमुख संस्थाओं से बहुत जरूरी विदेशी वित्तीय मदद हासिल करके बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था को चालू रखने में मदद की है। इससे निर्यात में थोड़ा भी सुधार हुआ है दूसरी ओर, बांग्लादेशी निर्यात पहले की तुलना में अधिक अनिश्चित और अप्रत्याशित हो गया है और विदेशों में नौकरियों के अवसर दुनिया भर में कम होते जा रहे हैं। विश्लेषकों को आश्चर्य है कि डॉ. यूनुस का होल्डिंग ऑपरेशन बांग्लादेश को कितने समय तक बनाये रखने में मदद कर सकता है? साथ ही, अगले आम चुनावों के बाद बांग्लादेश पर किस तरह का प्रशासन शासन करेगा, यह पता नहीं। चुनाव इस साल जून 2026 तक कभी भी हो सकते हैं। राजनीतिक नेता और राय बनाने वाले स्वाभाविक रूप से बांग्लादेश में सेना द्वारा दिखाये गये धैर्य की सराहना करते हैं। अपने कुख्यात ट्रिगर–हैप्पी समकक्षों के विपरीत, विशेष रूप से पाकिस्तान में, सशस्त्र बल सत्ता के लिए पागल संघर्ष में शामिल नहीं रहे हैं। लेकिन अवामी लीग और उसके मुख्य प्रतिद्वंद्वी बीएनपी के समर्थकों के बीच कटु मतभेद बने हुए हैं। जुलाई 2024 में तख्तापलट में एएल के हारने से पहले, अंतर–पार्टी संघर्षों ने 300 से अधिक लोगों की जान ले ली थी। फिर तख्तापलट होने से एक दिन पहले 4 अगस्त को, 100 और लोग मारे गये थे। बड़े पैमाने पर हिंसा के प्रकोप के बाद बांग्लादेश में गृहयुद्ध जैसी स्थिति की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। स्वाभाविक रूप से, एएल विरोधी तख्तापलट के तुरंत बाद, राष्ट्रपति एम शहाबुद्दीन के मुख्य सलाहकार के रूप में अर्थशास्त्री और नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ यूनुस के अप्रत्याशित उदय ने बांग्लादेश में शासन के पूर्ण पतन को रोक दिया। यह सर्वविदित है कि भारत भागने से पहले, पूर्व प्रधानमंत्री पुलिस और अन्य बलों द्वारा उन छात्रों के आक्रामक समूहों पर हमला करने के पक्ष में थीं, जो उनके प्रशासन के खिलाफ उत्पात मचा रहे थे। यह सेना प्रमुख ही थे जिन्होंने उग्रवादियों के खिलाफ गोली चलाने से इनकार कर दिया था। छात्रों और आम लोगों की भीड़ एएल के खिलाफ लागातार विरोध प्रदर्शन कर रहे थे और नये चुनावों के लिए दबाव बना रहे थे! अगस्त तक पुलिस गोलीबारी और अन्य प्रकार की हिंसा में मारे गये बांग्लादेशियों की संख्या 2500 से 3000 के बीच होने का अनुमान है। अगले दौर के चुनावों से पहले इस तरह की हिंसक पृष्ठभूमि और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए प्रमुख राजनीतिक दलों की उत्सुकता को देखते हुए, डॉ. यूनुस, जिन्होंने व्यवस्था के भीतर कुछ श्सुधारोंश् को लागू करने के लिए मुख्य सलाहकार के रूप में अधिक समय मांगा था, वे तीव्र दबाव में आ गये। दूसरी ओर, बांग्लादेशी बुद्धिजीवियों को इस बात की चिंता थी कि मुख्य सलाहकार तत्काल चुनाव न कराने के दृढ़ संकल्प वाले थे और चटगांव बंदरगाह और सेंट मार्टिन द्वीप को अमेरिका को बेचने या पट्टे पर देने जैसे प्रमुख निर्णयों के प्रति उनका स्पष्ट जुनून था, जिसे सुश्री शेख हसीना ने करने से इनकार कर दिया था। स्वाभाविक रूप से हाल ही में प्रमुख अखबारों में इस बारे में कई लेख छपे हैं कि क्या उनके जैसे देश में लोकतंत्र वास्तव में जड़ें जमा सकता है! वे टीम यूनुस द्वारा निभायी गयी भूमिका का समर्थन नहीं कर सकते थे, भले ही वे हसीना का विरोध करते हों। नेपाल में भी ऐसा ही हुआ है। अंग्रेजी भाषा के प्रेस के एक हिस्से में नेपाल के भविष्य को लेकर सवाल उठाये गये हैं, खास तौर पर इस बात पर कि क्या निकट भविष्य में शासन की लोकतांत्रिक व्यवस्था संभव हो सकती है। आम तौर पर यह चिंता थी कि किस तरह का प्रशासन अपना काम कर सकता है, क्योंकि पिछले कुछ महीनों में देश में करीब 4000 बड़े प्रदर्शन हुए हैं। कम से कम 12 बड़ी हड़तालें आयोजित की गयी हैं। साथ ही, 800 से ज़्यादा इकाइयों में कामगारों की नौकरी चली गयी है। इन प्रदर्शनों और विरोधा प्रदर्शनों में लगभग सभी वर्गों के लोगों ने हिस्सा लिया था, जिससे अधिकारियों के लिए अपना अधिकार और काम बनाये रखना मुश्किल हो गया था! चूंकि कोई भी मंत्री के आश्वासनोंध्घोषणाओं पर वाकई भरोसा नहीं कर सकता, तो क्या नेपाल में कभी भी एक जीवंत लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था हो सकती है? गृहयुद्ध से जूझ रहे पाकिस्तान, म्यांमार, भारत (मणिपुर या पश्चिम बंगाल के बारे में सोचें!) या श्रीलंका में लोकतंत्र के भाग्य के बारे में इसी तरह के सवाल पूछना निश्चित रूप से संभव है, जिसने हाल ही में एक आर्थिक संकट पर काबू पाया है, जो लगभग दो साल पहले तत्कालीन सत्ताधारी के भागने के साथ समाप्त हो गया था।

नदियों को नाथने के नतीजे

अनिल प्रकाश

नदियां सिर्फ नदियां नहीं हैं, ये हमारा सांस्कृशतिक जीवन भी हैं। नदियों का निर्मल जल दोनों किनारों और दियारे की हरी–भरी उर्वर भूमि, फैली रेत, असंख्यड जीव–जन्तुभ, तरह–तरह के पेड़–पौधे और वनस्प0तियां और करोड़ों–करोड़ लोग, हंसते, गाते और कभी दुख में आंसू बहाते, सब मिलकर बनता है नदियों का संसार। मनुष्य ने इन नदियों से बहुत कुछ पाया है। ये हमारी पालनहार हैं। ठीक वैसे ही जैसे माताएं अपने बच्चों की गंदगी साफ करती हैं और उन्हें अपने स्तनों का दूध पिलाती हैं। मनुष्य ने इन्हें बांधने की कोशिश की। गटर समझकर इनमें जहरीले कचरे गिराये जाने लगे, प्रगति के नाम पर बड़े–बड़े बांध और बराज बनाने लगे, उनके दोनों किनारों को तटबंधों से जकड़ने की कोशिश की गई, लेकिन नदियां इन बंदिशों और जकड़नों को तोड़ देना चाहती हैं। मानो मनुष्य को यह संदेश देना चाहती हैं कि वे भी गुलामी के बंधनों को तोड़कर स्वतंत्र और स्वाभाविक जीवन की ओर अग्रसर हैं। नदियों की अपनी–अपनी प्रकृति होती है, उसी प्रकृति के अनुकूल वे स्वयं अनुशासित भी होती हैं, लेकिन जब उनमें कचरे का अंबार डाला जाने लगता है या उन्हें बंधनों में जकड़ने की कोशिश होती है, तो नदियां भी अपना संयम और अनुशासन छोड़कर विनाशकारी रूप लेने लगती हैं। प्रकृति के रहस्यों, उसके नियमों और अवस्थाओं, उसमें होने वाले परिवर्तनों के बारे में जैसे–जैसे जानकारियां मिलती गईं, वैसे–वैसे मनुष्य ने आपदाओं से सुरक्षा के रास्ते खोजे। इस संदर्भ में सबसे महत्वपपूर्ण है– प्रकृति के साथ सामंजस्य करके चलना। देखा गया है कि मनुष्य ने जब–जब प्रकृति के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश की, प्रकृति ने पलटकर वार किया है और विनाश–लीला मचाई है। विश्व इतिहास में ऐसे ढेरों उदाहरण मौजूद हैं। हड़प्पा और मोहन–जोदड़ो की उन्नत सभ्यता का नाश भी वनों की अत्यधिक कटाई और प्रकृति के साथ अत्यधिक छेड़छाड़ का परिणाम था, ऐसा अनेक लोगों का मत है। जिन्हें हम प्राकृतिक आपदाएं कहते हैं उनमें से ज्यादातर मानवकृत आपदाएं होती हैं। विज्ञान और टेक्नालॉजी का विकास जिस कदर हो रहा है उसका उपयोग करके यह संभव हो सकता है कि हम प्रकृति के साथ सामंजस्य करके चलें, लेकिन ऐसा न करके प्रकृति के अनियंत्रित दोहन की कोशिश की जा रही है। इससे ऐसी–ऐसी समस्याएं पैदा हो रही हैं जो मानव जाति एवं पूरे जीव–जगत के लिए कष्ट और तबाही का कारण बनती जा रही हैं। तमाम चीजों को समग्रता में देखने के बजाय एकांगी दृष्टिकोण अपनाने और समस्याओं का समाधान टुकड़े–टुकड़े में खोजने की कोशिश ने भारी प्राकृतिक असंतुलन पैदा करना शुरू कर दिया है। इसका दुष्प्रभाव नदियों और उनके उद्‌गम–स्थलों पर साफ–साफ दिखाई पड़ने लगा है। हाल के दिनों में नदियों पर एक और संकट नदी जोड़ परियोजना की शक्ल में आया है। जो लोग नदी जोड़ परियोजना के लिए प्रयासरत हैं उनके दावे हैं कि नदियों को जोड़ने से देश में सूखे की समस्याा का स्थायी समाधान निकल आएगा और लगभग 15 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता बढ़ाई जा सकेगी। दूसरे, इससे गंगा और ब्रह्मपुत्र क्षेत्र में हर साल आने वाली बाढ़ की समस्या कम हो जाएगी और तीसरे, राष्ट्रीय बिजली उत्पानदन के क्षेत्र में 34,000 मेगावाट पन–बिजली का और अधिक उत्पादन होगा। नदियों को जोड़ने का प्रस्ताव करीब 100 साल पहले सर आर्थर कॉटन ने रखा था। सन् 1972 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार के सिंचाई मंत्री के.एल. राव ने प्रस्ताव रखा था कि गंगा को कावेरी से जोड़ा जाए। सन् 1974 में कैप्टकन दिनशा जे. दस्तूलर ने गारलैंड केनाल के नाम से इसे सामने लाए थे। उसके बाद तो जब, जिसके मन में आता है, नदी जोड़ परियोजना की वकालत करने लगता है। इस तरह की योजनाओं के सर्वांगीण पक्षों पर गहराई से अध्ययन और विचार किए बिना भी कई महत्व पूर्ण लोगों ने इसकी वकालत की है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम शीर्ष मिसाइल वैज्ञानिक थे, राष्ट्रपति तो थे ही। अगर उन्होंाने हिमालय से निकलने वाली गंगा और ब्रह्मपुत्र घाटी की भूगर्भीय स्थिति, गाद आने की मात्रा, इन नदियों के स्वभाव तथा पूर्व में अमेरिका तथा भारत की अन्य वृहद सिंचाई परियोजनाओं तथा उनकी ताजा स्थिति का अध्ययन किया होता तो श्नदी जोड़ परियोजनाश से होने वाली विभीषिकाओं का अनुमान कर लेते और इसका समर्थन कदापि नहीं करते। योगगुरु रामदेव को योग और आयुर्वेद का गहरा ज्ञान है, लेकिन नदियों और हिमालय के शास्त्र के वे मर्मज्ञ नहीं हैं, फिर भी उन्होंने नदी जोड़ परियोजना को लागू करने की मांग उठाई थी। भारत सरकार के जल संसाधन मंत्रालय के भूतपूर्व सचिव रामास्वामी आर. अय्यर ने नदी जोड़ परियोजना को 10 साल के अंदर पूरा करने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बारे में कहा था–माननीय जजों को अपना निर्देश देने से पहले मामले का पूरी तरह अध्ययन कर लेना चाहिए था। भारत में अभी भी बहुत कम लोगों को पता है कि अमेरिका में इस प्रकार की योजनाओं के दुष्परिणाम सामने आ चुके हैं। टैनेसी वैली योजना (टीवीसी) की नकल पर बनी डीवीसी (दामोदर घाटी परियोजना, भारत) की विफलता इसी का नमूना है। कोलोराडो नदी की परियोजना से लेकर मिसीसिपी घाटी तक बड़ी संख्या में नदी घाटी परियोजनाएं गाद भर जाने के कारण बाढ़ का प्रकोप बढ़ाने लगीं और जल–विद्युत का उत्पादन समाप्तप्रायरू हो गया। बाद में उनके किनारे थर्मल पावर स्टेरशन लगाए गए, लेकिन अंततरू उन बांधों को तोड़ना पड़ा। अमेरिका में सन् 1999 से लेकर सन् 2002 के बीच 100 से ज्याादा बांधों को तोड़ा गया है। उसके बाद भी लगातार बांधों की श्डी कमीशनिंगश जारी है। यह काम काफी खर्चीला होता है। एक–एक बांध तोड़ने में 10 से 15 साल लगते हैं। अनेक कंपनियां इस धंधे में लगी हैं और सार्वजनिक धन से अच्छा–खासा मुनाफा निकाल रही हैं। जाहिर है, आजकल नदियां सिंचाई, पेयजल जैसे अपने मूल कामों की बजाय मुनाफा कमाने में लगाई जा रही हैं। बड़े बांधों, बराजों आदि का निर्माण बिल्डरों, ठेकेदारों, नौकरशाहों और राजनेताओं की जेबें भरने के लिए किया जाता है और इसे जानने के लिए किसी रॉकेट–साइंस की जरूरत नहीं पडती। इन परियोजनाओं के कथित लाभार्थी ही, अपने भोगे हुए अनुभवों की मार्फत इसे बता सकते हैं।

(लेखक गंगा मुक्ति आंदोलन के कार्यकर्ता हैं।)

सीमित समय के लिए सितारे ज़मीन पर यूट्यूब पर फ्री में होगी स्ट्रीम ? आमिर खान ने किया वादा

अभिनेता-फ़िल्म निर्माता नेटफ्लिक्स और अमेज़न प्राइम वीडियो जैसे स्ट्रीमर्स पर बॉलीवुड फ़िल्म रिलीज़ करने के पारंपरिक मॉडल को छोड़ रहे थे। एक नई रिपोर्ट बताती है कि नेटफ्लिक्स ने हिंदी फ़िल्म के स्ट्रीमिंग अधिकार खरीदने के लिए अपनी कीमत बढ़ाकर १२५ करोड़ रुपये कर दी है। आमिर खान ने इन अफ़वाहों को खारिज कर दिया है।

पिछले महीने, ऐसी खबरें आई थीं कि सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के बाद, आमिर खान की अगली फ़िल्म, सितारे ज़मीन पर, पे–पर–व्यू के विकल्पों के साथ ल्वनज्नइम पर उपलब्ध होगी। अभिनेता–फ़िल्म निर्माता नेटफ्लिक्स और अमेज़न प्राइम वीडियो जैसे स्ट्रीमर्स पर बॉलीवुड फ़िल्म रिलीज़ करने के पारंपरिक मॉडल को छोड़ रहे थे। एक नई रिपोर्ट बताती है कि नेटफ्लिक्स ने हिंदी फ़िल्म के स्ट्रीमिंग अधिकार खरीदने के लिए अपनी कीमत बढ़ाकर 125 करोड़ रुपये कर दी है। आमिर खान ने इन अफवाहों को खारिज कर दिया है। अब, हाल ही में मुंबई में आयोजित 'तारे ज़मीन पर' फैन मीट में, उन्होंने 2007 की फ़िल्म को अपने YouTube चौनल पर सीमित समय के लिए मुफ़्त में रिलीज़ करने की पेशकश की। कार्यक्रम के दौरान, होस्ट लक्ष्य माहेश्वरी ने पाया कि ऑनलाइन ट्रिविया ने सुझाव दिया था कि 'तारे ज़मीन पर' के दृश्य में आमिर खान और नाव के साथ फ़ोटो में आमिर के माता–पिता हैं। आमिर ने उन्हें सही करते हुए कहा, "नहीं, यह मेरे माता–पिता नहीं हैं। मुझे लगता है कि यह किसी और के माता–पिता हैं! शायद यह अमोल गुप्ते के माता–पिता हैं। मुझे नहीं पता। लेकिन यह मेरे माता–पिता बिल्कुल नहीं हैं।" होस्ट ने दृश्य दिखाने की इच्छा व्यक्त की, लेकिन खुलासा किया कि वह ऐसा नहीं कर सकते, क्योंकि 'तारे ज़मीन पर' किसी भी स्ट्रीमिंग प्लेटफ़ॉर्म पर उपलब्ध नहीं है। आमिर खान ने सहमति जताते हुए कहा, "हाँ, फ़िल्म कहीं भी नहीं है।" फिर उन्होंने एक सुझाव दिया और फ़िल्म को यूट्यूब पर रिलीज़ करने की पेशकश की। उन्होंने कहा, ''एक काम करते हैं। मैंने आमिर खान टॉकीज नाम से एक यूट्यूब चौनल शुरू किया है। मैं अपनी टीम से कहूंगा कि चलो तारे ज़मीन पर को वहां मुफ़्त में अपलोड करें। यह 1–2 हफ़्ते तक उपलब्ध रह सकता है।'' आमिर ने यह स्पष्ट नहीं किया कि फ़िल्म यूट्यूब पर कब से स्ट्रीम होगी और प्रशंसक बेसब्री से इसकी घोषणा का इंतज़ार कर रहे हैं। आमिर खान बाद में सोमवार शाम को आयोजित फैन मीट इवेंट में तारे ज़मीन पर के सह–कलाकार दर्शील सफ़ारी, टिस्का चोपड़ा और विपिन शर्मा के साथ शामिल हुए।

सितारे ज़मीन पर के बारे में और जानकारी

आरएस प्रसन्ना द्वारा निर्देशित, तारे ज़मीन पर की आध्यात्मिक सीक्वल में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख के साथ–साथ कई नए कलाकार भी हैं। बॉलीवुड फ़िल्म 2018 की स्पैनिश फ़ीचर चौंपियंस की रीमेक है।

सलमान खान संग काम कर चुके कोरियोग्राफर पर पैसे हड़पने करने का आरोप, गबन किए 25 लाख

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान के साथ काम कर चुके फेमस कोरियोग्राफर दिनेश मास्टर को लेकर एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। उन पर 25 लाख रुपये गबन करने का आरोप लगा है। रिपोर्ट के मुताबिक, दिनेश ने फिल्म निर्माताओं से डांसरों की पारिश्रमिक फीस ली थी। उन्हें फिल्म 'लियो' के गाने 'नान रेडी धन' के लिए डांसरों को उनकी फीस देनी थी। अब उन पर आरोप है कि दिनेश ने अभी तक उन डांसरों को उनकी मेहनत नहीं दी है। अब डांसरों ने कोरियोग्राफर के खिलाफ द सिने डांसर्स एंड डांस डायरेक्टर्स एसोसिएशन में शिकायत दर्ज कराई है। रिपोर्ट के मुताबिक, डांसर यूनियन के सदस्यों ने दिनेश पर हिंसक व्यवहार करने का भी आरोप लगाया है। उनका कहना है कि कोरियोग्राफर ने यूनियन के सदस्यों के साथ आक्रामक व्यवहार किया है। वहीं, दिनेश मास्टर ने अपने बचाव में कहा है कि वह इस मामले में निष्पक्ष चुनाव चाहते हैं। वह यूनियन केस अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने यह भी कहा है कि वह जल्द ही एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे जिसके तहत वह इस मुद्दे पर आधिकारिक बयान जारी करेंगे। बता दें, कोरियोग्राफर दिनेश साउथ इंडस्ट्री का एक जाना–माना चेहरा हैं। उन्होंने रजनीकांत, कमल हासन, थलपति विजय और सूर्या समेत कई सुपरस्टार्स के साथ काम किया है। थलापति की फिल्म 'लियो' का गाना 'नान रेडी धन' उन्होंने ही कोरियोग्राफ किया था।

एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण हाल ही में संदीप रेड्डी वांगा की अपकमिंग फिल्म 'स्पिरिट' से बाहर होने की खबरों को लेकर सुर्खियों में आई थीं। उन्हें लेकर कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि एक्ट्रेस ने शिफ्ट टाइमिंग को आठ घंटे करने की डिमांड की थी, लेकिन उनका ये प्रस्ताव फिल्म निर्माता को पसंद नहीं आया और उन्होंने दीपिका को फिल्म से बाहर कर दिया। वहीं, अब दीपिका के बाद मशहूर एक्टर पंकज त्रिपाठी ने शिफ्ट टाइमिंग को लेकर बात की है और वर्क बाउंड्रीज तय करने की बात कही है। हाल ही में एक बातचीत में पंकज त्रिपाठी ने कहा कि उन्हें नहीं कहना मुश्किल लगता है, यही वजह है कि वह इसकी प्रैक्टिस कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अभी, मैं नहीं कहने की प्रैक्टिस कर रहा हूं, क्योंकि सभी को पता होना चाहिए कि लिमिट कहां है और ये लाइन है और इसके आगे, यह एक विनम्र नहीं है। पंकज त्रिपाठी ने उन दिनों को भी याद किया जब सेट पर उनके काम पर 16 से 18 घंटे तक बढ़ जाते थे। एक्टर ने कहा, काम में खिंचे जा रहा है। 16 घंटे–18 घंटे हो गया मैं लगा हुआ हूं। मैं बोल भी रहा हूं, एक्टर जा चुका है। लेबर रुका हुआ है। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि ऐसे समय में विनम्रता से सीमाएं तय करना बेहतर है। एक्टर ने आगे कहा, फिर लगा नहीं, अभी तो आप विनम्रतापूर्वक बोल दीजिए कि श्नहीं, इतना ही होगा। हमने कमिट किया था, कमिटमेंट हमारी पूरी हो गई, अब धन्यवाद। जो बचा है, कल करेंगे। उन्होंने यह कहकर निष्कर्ष निकाला कि सीमाएं तय करना जरूरी है न सिर्फ एक्टिंग में, बल्कि जीवन के सभी पहलुओं में।

मेगास्टार प्रभास की फिल्म द राजा साहब की रिलीज डेट आई सामने, फैंस को करना होगा बस इतने महीनों का इंतजार

साउथ इंडस्ट्री के सुपरस्टार प्रभास इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म द राजा साहब को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसी बीच उनकी थिएट्रिकल फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। मेकर्स ने द राजा साहब की रिलीज के लिए 05 दिसंबर की डेट फाइनल कर दी है। प्रभास द राजा साहब में लीड रोल निभा रहे है। यह उनका पहला पूरा हॉरर एंटरटेनर है। मारुथी के निर्देशन में बनी द राजा साहब एक डरावनी लेकिन जबरदस्त एंटरटेनमेंट से भरपूर फिल्म होने का वादा करती है। इस फिल्म का टीजर 16 जून को रिलीज होने वाला है। पीपुल मीडिया फैक्ट्री के सहयोग से बनी फिल्म द राजा साहब एक शानदार विजुअल ट्रीट है, जिसे भव्य स्केल पर और बेहतरीन प्रोडक्शन वैल्यूज के साथ तैयार किया गया है। फिल्म के निर्माता टी.जी. विश्व प्रसाद हैं। सिनेमैटोग्राफी संभाल रहे हैं कार्तिक पलानी, और थमन एस दे रहे हैं एक धमाकेदार और जबरदस्त म्यूजिक स्कोर, जिसका सबको बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म की कास्ट में मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल और ऋद्धि कुमार शामिल हैं।

कमल हासन ने ठग लाइफ के सितारों के साथ मंच साझा किया, भाषा विवाद पर कोई टिप्पणी नहीं की

अभिनेता कमल हासन ने बुधवार को यहां अपनी आने वाली फिल्म 'ठग लाइफ' के सितारों के साथ मंच साझा किया, लेकिन कन्नड़ पर अपनी टिप्पणी से उपजे विवाद पर कोई प्रतिक्रिया नहीं की। हासन ने मणिरत्नम निर्देशित 'ठग लाइफ' के पीछे की कड़ी मेहनत और इसमें इस्तेमाल तकनीक की अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता पर बात की, जो 5 जून को रिलीज होने वाली है। उन्होंने कहा, ''मुझे पूरे तमिलनाडु राज्य का शुक्रिया अदा करना चाहिए जो मेरे पीछे खड़ा है।'' हासन के इस बयान को उनकी कुछ दिन पहले की गई इस टिप्पणी की पृष्ठभूमि में महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि ''कन्नड़ का जन्म तमिल से हुआ है''। अभिनेता ने कहा कि उन्हें अपने सार्वजनिक संबोधनों में इस्तेमाल किए गए नारे 'उइरे, उरावे, तामिझे' का महत्व या अर्थ भी पूरी तरह से समझ में आ गया है। तीनों शब्दों का एक साथ इस्तेमाल तमिल के प्रति उनके गहरे प्रेम और उसके साथ उनके गहरे जुड़ाव को दर्शाता है। संयोग से, हासन ने चेन्नई में 'ठग लाइफ' के प्रचार कार्यक्रम में भी इस टैगलाइन का इस्तेमाल किया था, जिस दौरान उन्होंने कन्नड़ पर टिप्पणी की थी। हासन ने दिग्गज फिल्म निर्देशक मणिरत्नम की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह एक 'सिनेमा ज्ञानी' बन गए हैं और वह उनके साथ काम करने को लेकर उत्साहित रहे। अभिनेता ने इस अवसर पर मीडिया का भी आभार व्यक्त किया। कन्नड़ का जन्म तमिल से होने संबंधी टिप्पणी पर कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को हासन की आलोचना की। ठग लाइफ के निर्माताओं ने कर्नाटक उच्च न्यायालय को सूचित किया कि फिल्म 5 जून को कर्नाटक में रिलीज नहीं होगी, जबकि इसे पूरे देश में प्रदर्शित किया जाएगा। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने कहा कि ''एक बार की माफी से स्थिति सुलझ सकती थी'' और ''अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को किसी की भावना को ठेस पहुंचाने की सीमा तक नहीं बढ़ाया जा सकता है, खास तौर पर एक जनसमूह की... बोले गए शब्दों को वापस नहीं लिया जा सकता, और उनके लिए केवल माफी मांगी जा सकती है।

अनुष्का शेट्टी की 'घाटी' को सिनेमाघरों में रिलीज की तारीख मिली, नया पोस्टर सामने आया

तमिल अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी की बहुप्रतीक्षित फिल्म श्घाटीश को नई रिलीज डेट मिल गई है। क्राइम थ्रिलर फिल्म के निर्माताओं ने घोषणा की है कि यह फिल्म 11 जुलाई, 2025 को दुनिया भर में सिल्वर स्क्रीन पर आएगी। जिन्हें नहीं पता, उन्हें बता दें कि यह फिल्म पहले 18 अप्रैल, 2025 को रिलीज होने वाली थी। फिल्म श्घाटीश की कहानी एक मजबूत महिला के इर्द–गिर्द घूमती है, जो परिस्थितियों के कारण गांजे के धंधे में शामिल हो जाती है। राधा कृष्ण जगरलामुदी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में राम्या कृष्णन, अनुष्का शेट्टी, जगपति बाबू, रविंदर विजय, विक्रम प्रभु और जॉन विजय मुख्य भूमिकाओं में हैं। जिन्हें नहीं पता, उन्हें बता दें कि यह फिल्म तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी सहित विभिन्न भाषाओं में रिलीज होगी।

नायक के जीवन की क्रूर सच्चाई

अनुष्का की आखिरी फिल्म मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी (2023) थी। अपनी फिल्मों को लेकर हमेशा बहुत ही सोच–समझकर काम करने वाली अभिनेत्री ने करीब छह महीने के अंतराल के बाद श्घाटीश साइन की है। अभिनेत्री के प्रशंसक उन्हें फिर से सिल्वर स्क्रीन पर देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और उन्हें फिर से एक्शन में देखने के लिए बेताब हैं। पोस्टर और टीजर को देखकर ऐसा लगता है कि श्घाटीश एक ऐसी फिल्म है जो अपने नायक के जीवन की क्रूर वास्तविकता को बयां करने से पीछे नहीं हटती। कहानी उस धुंधली, खतरनाक दुनिया में गहराई से उतरती है जिसमें वह (अनुष्का) रहती है, एक ऐसी जगह जहां जीवित रहने के लिए न केवल लचीलापन बल्कि निर्दयी धार की आवश्यकता होती है। निर्माताओं ने विश्वास व्यक्त किया है कि फिल्म भावनात्मक रूप से चार्ज, तीव्र और यहां तक घ्कि दुखद भी होगी। फिल्म की टैगलाइन शविक्टिम, क्रिमिनल, लीजेंडश एक सामान्य कहानी से कहीं अधिक संवाद करती है।

कृष जगरलामुदी द्वारा निर्देशित, क्राइम एक्शन थ्रिलर जिसकी टैगलाइन शविक्टिम, क्रिमिनल, लीजेंडश है, नायक के जीवन की क्रूर वास्तविकता को बयां करती है।

अनुष्का की दमदार परफॉर्मेंस

घाटी को एक शानदार पैमाने पर और एक मनोरंजक एक्शन थ्रिलर के रूप में बनाया जा रहा है। कृष ने कहा कि वह अनुष्का को एक हाई–ऑक्टेन, एक्शन से भरपूर परफॉर्मेंस में पेश कर रहे हैं। निर्देशक कहते हैं, ष्वह अपने दृष्टिकोण में आश्चर्यजनक रूप से उग्र और निर्दयी है। प्रत्याशा निर्माण, और आसपास की तीव्रता फिल्म में उसके चरित्र के बारे में जिज्ञासा जगाती है,ष उन्होंने कहा कि घाटी मानवता, अस्तित्व और मोचन की खोज की तरह है। तेलुगु भाषा की फिल्म का निर्माण वी वामशी कृष्ण रेड्डी, राजीव रेड्डी येदुगुरु और साईबाबू जगरलामुदी ने फर्स्ट फ्रेम एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया है और यूवी क्रिएशंस द्वारा प्रस्तुत किया गया है। इस फिल्म का संगीत नागवेली विद्या सागर ने तैयार किया है। गौरतलब है कि बाहुबली फेम अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी दो साल के अंतराल के बाद बड़े पर्दे पर वापसी करेंगी। वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार रोमांटिक कॉमेडी फिल्म शमिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टीश में नवीन पॉलीशेट्टी और जयसुधा के साथ देखा गया था। 43 वर्षीय अभिनेत्री अगली बार हॉरर थ्रिलर श्कथानार – द वाइल्ड सॉर्सेररश में नजर आएंगी, जिसका निर्देशन रोजिन थॉमस करेंगे और इसमें उनके साथ जियाद ईरानी, घ्विकास मणिकेथ और जयसूर्या प्रमुख भूमिकाओं में होंगे।

आंखों के लिए बेहद फायदेमंद है यह आयुर्वेदिक तकनीक, एक्सपर्ट से जानें इसके फायदे

शरीर की केयर करने के साथ ही आंखों की केयर करना भी जरूरी होता है। लेकिन कई बार लोग ऐसा करना भूल जाते हैं। लेकिन आंखों का स्वस्थ होना बेहद जरूरी होता है। यदि आंखों के प्रति थोड़ी भी लापरवाही बरती जाती है, तो इसका सीधा असर रोशनी पर पड़ता है। आंखों की रोशनी को बेहतर बनाए रखने के लिए आप नेत्र शुद्ध आसन कर सकते हैं। यह आंखों के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको नेत्र शुद्धि के प्रोसेस के बारे में बताने जा रहे हैं और साथ ही यह भी जानेंगे कि यह आंखों के लिए कैसे फायदेमंद होती है।

क्या है नेत्र शुद्धि

दरअसल, यह एक तरह की आयुर्वेदिक तकनीक है। इस तकनीक के जरिए आंखों को रिलैक्श कर शांत किया जाता है। इस प्रोसेस में कप के माध्यम से मेडिटेशन किया जाता है। इस थेरेपी को करने से आंखों की थकान कम होती है। बता दें कि नेत्र शुद्धि का प्रोसेस पूरी तरह से केमिकल फ्री होता है और इसको कोई भी कर सकता है।

फायदे

नेत्र शुद्धि करना आंखों के लिए कई तरह से फायदेमंद होता है।

इससे आंखों की थकान दूर होने के साथ आप फ्रेश फील करते हैं।

इस प्रोसेस से आई बॉल में होने वाली आई स्ट्रेन की समस्या कम होती है।

आंखों में होने वाले दर्द से राहत मिलने के साथ पिंक आई की दिक्कत से भी राहत मिलती है।

जिनकी आंखों की रोशनी कमजोर है, वह भी नेत्र शुद्धि कर सकते हैं। इससे आंखों की रोशनी तेज हो सकती है।

इस प्रोसेस का अभ्यास करने से आंखों की ऑप्टिक नर्व तक सुचारू रूप से नर्व का संचार होता है।

आंखों की खुजली और सूजन की समस्या कम होती है।

नेत्र शुद्धि का सही तरीका

इसके लिए सबसे पहले छोटे आकार के प्लास्टिक के दो कप ले लीजिए।

फिर इसमें नॉर्मल पानी भरें।

अब इसमें आंखें खोलकर डालें या फिर फिट करें।

इस प्रोसेस में आपकी आंखें पानी में होनी चाहिए।

अब अपनी पानी के अंदर आंखों में मौजूद बॉल को गोल–गोल घुमाएं।

दिन में इस प्रोसेस को दो से तीन बार किया जा सकता है।

पार्लर जैसे सॉफ्ट बाल मिलेंगे घर पर, बस लगा लें किचन में पड़ी ये एक चीज

बालों को खूबसूरत लुक देने के लिए महिलाएं क्या कुछ नहीं करती हैं। इसके लिए वो महंगे ट्रिटमेंट लेती हैं, जिससे कोई फायदा तो नहीं होता लेकिन केमिकल के चलते बाल खराब जरूर हो जाते हैं। ऐसे में आप घर पर ही सस्ते में अच्छा सा ट्रिटमेंट क्यों नहीं ले लेते? जी हां, आप घर में भिंडी की मदद से भी सेफ और नेचुरल केराटिन ट्रीटमेंट ले सकते हैं। आइए जानते हैं भिंडी से बालों को केराटिन करने का तरीका...

बालों पर भिड़ी लगाने के फायदे

भिंडी में मौजूद फाइबर, आयरन, बीटा केरोटीन, विटामिन सी, विटामिन ए, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस और फोलेट एसिड जैसे गुण बालों में पोषक तत्वों की कमी को पूरा करते हैं।

भिंडी से केराटिन ट्रीटमेंट कैसे करें

1 कप पानी में 15–20 भिंडी को छोटा– छोटा काटकर उबाल लें। इसे ठंडा करने के बाद पीस लें। इस मिक्स्चर को सूती कपड़े में डालकर छानें और 1 चम्मच मक्के का आटा और पानी मिलाकर इसका पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को गाढ़ा करने के लिए थोड़ी देर के लिए गैस में पकाएं। इसके बाद इसमें 1 चम्मच नारियल का तेल और 1 चम्मच बादाम का तेल डालकर मिला लें। आपकी केराटिन क्रीम तैयार है।

ऐसे करें इस्तेमाल

बालों को छोटे–छोटे हिस्सों में लेकर क्रीम को लगाएं। क्रीम को अच्छी तरह से बालों में मिक्स करने के लिए कंघी कर लें। इसके बाद बालों को प्लास्टिक कैप या शावर कैप से ढक लें। इस क्रीम को 2 घंटे बाद साफ से बालों से हटा लें। इसे हफ्ते में 2 बार लगाने से आपको बेहतरीन नतीजे देखने को मिलेंगे।

डैमेज बाल होंगे रिपेयर

भिंडी केराटिन ट्रीटमेंट डैमेज बालों को रिपेयर करने का काम करता है। इससे बाल हेल्दी और स्ट्रेट बनने लगते हैं। बालों की शाइन भी बढ़ जाती है।

बालों की चमक बढ़ाए

भिंडी बालों के रूखापन को दूर करके उसे मुलायम और चमकदार बनाते हैं। इससे बालों की ग्रोथ पर भी असर पड़ता है।

तो देखा आपने पार्लर जैसे सॉफ्ट बालों के लिए आप भी भिंडी का केराटिन कर सकते हैं।

लू से बचने में किसी वरदान से कम नहीं है बेल का जूस, देता है ढेरों फायदे

नारी डेस्करू दिन पर दिन गर्मी बढ़ती जा रही है, हर रोज पड़ रही तेज लू सभी के लिए जान की दुश्मन बनी हुई है। लू जिसे हम हीट स्ट्रोक भी कहते हैं, उससे बचने के लिए लोग क्या कुछ नहीं कर रहे हैं। ऐसे में इन गर्मियों में सेहतमंद ड्रिंक के तौर पर कई पेय पदार्थों का सेवन किया जाता है, जिनमें से एक हैं बेल का जूस। आपको जानकारी के लिए बता दें कि बेल एक फ्रूट होता है जिसे बिल्व भी कहा जाता है। बेल एक ऐसा फल है जिसे खाने से कई प्रकार के ढेरों फायदे पहुंचाता है। इसमें बहुत से पौष्टिक तत्व होते हैं। गर्मियों में बेल का जूस पिने से कई तरह की परेशानियों से बचा जा सकता है। हम आपको आज इन्हीं के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

लू से बचाव

छोटे बच्चों से लेकर बड़ों तक कोई भी गर्मियों के दिनों में लू की चपेट में आ सकता है।बेल का शरबत शरीर को ठंडक पहुंचाती है और शरीर को लू से बचाती है। इसके सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। धूप में निकलने से पहले एक गिलास बेल का शरबत पीकर ही निकलें।

ब्रेस्ट कैंसर में फायदेमंद

कैंसर एक लाइलाज बीमारी है। इस बीमारी का अभी तक कोई सटीक और सही इलाज नहीं है। लेकिन ब्रेस्ट कैंसर में बेल का जूस बहुत ही ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। स्तन कैंसर को रोकने के लिए नियमित रूप से इस रस का सेवन करना बहुत उपयोगी है।

खुल जाएंगी आतें

पाचन खराब होने पर आंतों का संकुचन कम हो जाता है, जो कि कब्ज बनाता है। गर्मी में डिहाइड्रेशन इस समस्या को गंभीर बना सकती है। मगर बिल्व रस पानी की पूर्ति करके आंतों को रिलैक्स करता है और संकुचन सामान्य करने में मदद करता है।

देता हैं ठंडक

बेल के रस को शहद के साथ मिलाकर पीने से एसिडिटी में राहत मिलती है। अगर आपको मुंह के छाले हो गए हैं तो भी इसका सेवन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। गर्मी के लिहाज से ये एक बेहतरीन पेय है। एक ओर जहां ये लू से सुरक्षित रखने में मददगार होता है वहीं शरीर को अंदर से ठंडक देने का काम करता है।

ह्रदय रोग में लाभदायक

दिल की बीमारी में बेल बहुत उपयोगी है। पके हुए बेल के जूस में थोड़ाा सा घी मिला लें। दिल से संबंधित बीमारियों जैसे हार्ट स्ट्रोक और हार्ट अटैक से बचने के लिए इस मिक्सचर को अपनी रोज की डाइट में शामिल कर लीजिये। इसके सेवन से आपका दिल, स्ट्रोक और अटैक से काफी हद तक बचा रहेगा। हार्ट के अलावा बेल ब्लड शुगर के लेवल को भी लगभग 50: से ज्यादा तक कम कर सकता है।

हाई ब्लड प्रेशर में लाभदायक

जो लोग हाई बीपी यानी हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से परेशान हैं वह भी हर रोज बेल के शरबत का सेवन कर सकते हैं। इसमें पोटाशियम की अच्छी मात्रा पाई जाती है जो हाई बीपी को कम करने का काम करती है। इसके अलावा ये नसों को सुकून देने का काम करती है।

खून साफ करने में सहायक

खून अगर साफ न हो, तो स्कीन संबंधी कई किस्म की बीमारियां सामने आती हैं। बाजार में खून साफ करने के लिए कई किस्म की दवाईयां भी मिलती हैं। लेकिन बेल का शरबत इसका एक नेचुरल विकल्प है। हालांकि, इसके लिए आपको बेल के शरबत में कुछ मात्रा में गर्म पानी मिलाना होता है।

डायबिटीज में फायदेमंद

गर्मियों में बेल का शरबत पीने से डायबिटीज रोगियों की सेहत को फायदा होता है। बेल में मौजूद लैक्सेटिव ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल रखने में मदद कर सकता है। मधुमेह रोगी इस शरबत का पूरा फायदा उठाने के लिए, इसे बनाते समय इसमें चीनी का इस्तेमाल न करें।

एसिडिटी दूर करे

बेल के रस में शहद मिलाकर पीने से एसिडिटी दूर होती है। मुंह के छालों को ठीक करने के लिए आप इसे अपनी जीभ और मुँह के अंदर भी लगा सकते हैं। बेल शरीर की गर्मी और प्यास को भी शांत करता है। लंच या डिनर से पहले बेल का जूस पीने से भूख बढ़ती है। चिलचिलाती गर्मी के दौरान एक शीतल और तरावट देने वाला ड्रिंक है।

पैरों की चमक पाने के लिए फलों के छिलके हैं बेहद कारगर, मिनटों में होगा स्किन में जादू

चेहरे की देखभाल और केयर को लगभग सभी लोग करते हैं। लेकिन जब बात पैरों की आती है, तो लोग इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि पैर भी आपकी पर्सनालिटी का हिस्सा हैं। कई बार टैनिंग की समस्या से पैरों में हो जाती है। जिसके कारण पैरों की स्किन काली और बेजान नजर आने लगती है। ऐसे में आप पैरों की टैनिंग और डेड स्किन को हटाने के लिए कुछ फलों के छिलकों का इस्तेमाल कर सकती हैं। क्योंकि इन फलों में विटामिन–मिनरल्स जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। तो वहीं इन फलों के छिलकों में भी भरपूर मात्रा में न्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं।

हालांकि अधिकतर घरों में फलों के छिलकों को फेंक दिया जाता है। लेकिन क्या आप जानती हैं कि इन फलों के छिलकों को आप स्किन केयर में इस्तेमाल कर सकती हैं। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए फलों के छिलकों की कुछ रेमेडीज के बारे में बताने जा रहे हैं। जो आपके पैरों को खूबसूरत बनाने में मदद कर सकती हैं।

केले का छिलका

केले का छिलका अच्छे से एक्सफोलिएट करता है। यह पैरों की डार्क स्किन को हटाने का कारगर नुस्खा है। पके केले के छिलके के अंदर वाले हिस्से पर बेकिंग सोड लगाएं। फिर इससे अपने पैरों को स्क्रब करें। इससे पैरों की डेड स्किन साफ हो जाएगी। यह प्रोसेस करने के बाद पैरों को थोड़ी देर के लिए गुनगुने पानी में डालकर साफ करें।

पपीते का छिलका

केले के छिलके की तरह ही पपीते का छिलका भी आपके पैरों की चमक लौटा सकता है। इसके लिए पपीते के छिलकों को छोटे–छोटे टुकड़ों में काट लें। फिर इनमें शहद और एलोवेरा जेल डालकर पीस लें। जब इसका महीन पेस्ट बन जाए, तो इसको अपने पैरों पर अप्लाई करें। फिर 20 मिनट तक लगाए रहने के बाद पैर सादे पानी से धो लें। इस तरह से आपके पैरों की स्किन क्लीन हो जाएगी और त्वचा मुलायम बनेगी।

संतरे का छिलका

बता दें कि स्किन केयर रूटीन में आपको संतरे का छिलका शामिल करना चाहिए। इसमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में पायी जाती है। यह स्किन को साफ करने के साथ टैनिंग जैसी समस्याओं को दूर करता है। संतरे के छिलके को सुखाकर पीस लें। फिर इस पाउडर में कच्चा दूध मिलाकर पैरों पर लगाएं। 10–15 मिनट तक लगाए रहें और जब यह सूख जाए, तो मसाज करते हुए पैरों को साफ करें। सप्ताह में दो बार यह नुस्खा अपनाने से पैरों की डार्क स्किन साफ होने लगेगी।

संक्षिप्त

दिग्गज ऑटोमेकर कंपनी करने वाले है 35000 नौकरियों में कटौती

दिग्गज ऑटोमेकर कंपनी वोक्सवैगन को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। वोक्सवैगन की जर्मनी में 2030 तक अपने कार्यबल को 35,000 कर्मचारियों तक कम करने की रणनीति है। कंपनी ने कर्मचारियों की संख्या कम करने की योजना पर आगे काम करना शुरू कर दिया है। इसे लेकर कंपनी के मानव संसाधन प्रमुख गुन्नार किलियन ने मंगलवार को वोल्फ्सबर्ग में ऑटोमेकर के मुख्यालय में आयोजित वर्क्स काउंसिल की बैठक के दौरान इसकी पुष्टि की है। नौकरी में कटौती किए जाने के फैसले लेकर कहा गया है कि कंपनी ने संचालन को सुव्यवस्थित करने के लिए ये फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो नौकरी में कटौती किए जाने की योजना का मुख्य उद्देश्य संचालन को सुव्यवस्थित करना है। इससे कंपनी अपनी दक्षता को बढ़ाने पर विचार करेगी। बता दें कि यही सोचते हुए कंपनी ने पहले से ही 20,000 से अधिक कर्मचारियों ने अपने अनुबंधों को जल्दी समाप्त करने के लिए सहमति दे दी है। समाचार पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार, वोक्सवैगन ब्रांड के 20,000 से अधिक कर्मचारियों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेते हुए अपने अनुबंधों को समय से पहले समाप्त करने पर सहमति व्यक्त की है। इस रिपोर्ट में वोक्सवैगन के वोल्फ्सबर्ग मुख्यालय में हुई कार्य परिषद की बैठक का हवाला दिया गया है। उम्मीद है कि नौकरियों में कटौती ऑटो निर्माता के जर्मन संयंत्रों में ही की जाएगी, और कंपनी का लक्ष्य यह है कि यह कटौती ''स्वीकार्य तरीके'' से की जाए, जिसमें प्रभावित लोग शर्तों से सहमत हों।

रघुराम राजन का बड़ा बयान, देश को 2047 तक विकसित बनने के लिए करनी होगी 8–9 फीसदी की ग्रोथ

देश के पूर्व आरबीआई गवर्नर और मशहूर अर्थशास्त्री रघुराम राजन ने भारत के विकसित देश बनने को लेकर खास जानकारी दी है। इंडिया टुडे टीवी के साथ बातचीत में उन्होंने कहा कि मैं लंबे समय से एक बात कहता आया हूं कि भारत को 2047 तक विकसित देश बनना है तो हमारी ग्रोथ आठ फीसदी ,8.5 फीसदी या नौ फीसदी की होनी चाहिए। हम आज के समय में भी अपेक्षाकृत गरीब देश है। बता दें कि रघुराम राजन का ये बयान उस समय सामने आया है जब भारत ने

हाल ही में जीडीपी के आंकड़े पेश किए है। ये आंकड़े ऐसे समय में पेश हुए हैं जब वैश्विक स्तर पर माहौल अशांत है। वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही के दौरान 7.4 फीसदी और पूरे साल में 6.5 फीसदी की मजबूत बढ़ोतरी देखने को मिली है। राजन का मानना है कि ये दर अच्छी है। उन्होंने कहा कि इसे देखकर संतुष्ट नहीं होना चाहिए। ये समय आराम करने का समय नहीं है। भारत के लिए ये समय काफी अच्छा है जिसका लाभ उठाना चाहिए। विकास दर बनाए रखने के लिए निवेश को भी बढ़ावा देना होगा। खपत का दायरा बढ़ाना भी जरुरी है। देश–विदेश के निवेशकों को भारतीय अर्थव्यवस्था पर भरोसा दिलाना अहम है। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं को भारत में बढ़तरी की गति में रुकावट लाने का अहम कारण है। खासतौर से अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के वापस आने और टैरिफ को लेकर बढ़ती अनिश्चितता को लेकर चिंता है। आने वाले समय में कुछ धीमापन देखने को मिलेगा।

रुपया शुरुआती कारोबार में 25 पैसे टूटकर 85.86 प्रति डॉलर पर

विदेशी पूंजी की निकासी के बीच रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 25 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.86 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि सकारात्मक घरेलू शेयर बाजारों, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की नरम कीमतों और कमजोर अमेरिकी डॉलर ने गिरावट को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया कमजोर रुख के साथ 85.69 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती

कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.86 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 25 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.61 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.18 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स 230.17 अंक की बढ़त के साथ 80,967.68 अंक पर जबकि निफ्टी 70.25 अंक चढ़कर 24,612.75 अंक पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 65.42 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 2,853. 83 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

आईपीएल जीतने के बाद भी कोहली ने टेस्ट को बताया सर्वोपरि, कहा- जब तक खेलूंगा आरसीबी के लिए ही खेलूंगा

अहमदाबाद। आईपीएल खिताब जीतने के लिए 18 सत्र का इंतजार खत्म होने पर विराट कोहली अपने आंसुओं पर काबू नहीं रख सके, लेकिन टेस्ट क्रिकेट के प्रति अपना प्यार एक बार फिर जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि पारंपरिक क्रिकेट को अभी भी वह टी20 से पांच पायदान ऊपर रखते हैं। उन्होंने कहा कि वह जब तक आईपीएल खेलेंगे, आरसीबी के लिए ही खेलेंगे। विराट ने इंस्टाग्राम पर टीम के साथ तस्वीरें भी साझा की हैं। उन्होंने लिखा, श्इस टीम ने सपने को संभव बनाया। एक ऐसा सीजन जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगा। हमने पिछले ढाई महीनों में इस सफर का भरपूर आनंद लिया है। यह आरसीबी के प्रशंसकों के लिए है जिन्होंने सबसे बुरे समय में भी हमारा साथ नहीं छोड़ा। यह उन सभी वर्षों के दिल टूटने और निराशा के लिए है। यह इस टीम के लिए मैदान पर खेलने के लिए किए गए हर प्रयास के लिए है। जहां तक आईपीएल ट्रॉफी का सवाल है– आपने मुझे आपको उठाने और जश्न मनाने के लिए 18 साल इंतजार करवाया है, मेरे दोस्त, लेकिन यह इंतजार बिल्कुल सार्थक रहा। पिछले महीने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह चुके कोहली ने युवाओं को सलाह देते हुए कहा कि अगर सम्मान पाना है तो पारंपरिक प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन करें। उन्होंने आरसीबी के खिताब जीतने के बाद मैथ्यू हेडन से कहा, श्मेरे करियर के सर्वश्रेष्ठ पलों में से यह एक है, लेकिन फिर भी यह टेस्ट क्रिकेट से पांच पायदान नीचे है। मेरी नजर में टेस्ट क्रिकेट की इतनी इज्जत है।

जब तक खेलूंगा, आरसीबी के लिए ही खेलूंगा

जोश हेजलवुड ने 20वें ओवर की दूसरी गेंद डाली और कोहली की आंखें भर आईं। मोटेरा की पिच को चूमते हुए कोहली को देखकर उनके प्रशंसक भी खुशी के आंसू रोक नहीं सके होंगे। आईपीएल इस साल 18 बरस का हो गया और इस खिताब के साथ कोहली का कद कुछ और बढ़ गया। जीत के बाद कोहली ने कहा, श्यह टीम उतनी ही प्रशंसकों की है, जितनी की टीम की।

18 सत्र का लंबा समय। मैंने अपनी जवानी, प्राइम और अनुभव सब कुछ इस टीम को दिया। मैंने हर सत्र में जीतने की कोशिश की। जो भी मेरे पास था, दिया।श फाइनल के बाद कोहली ने अपनी पत्नी अनुष्का को गले लगाया। उन्होंने कहा, आखिरकार खिताब जीतना अविश्वसनीय अनुभव है। कभी सोचा नहीं था कि यह दिन आएगा। आखिरी गेंद डाले जाने के समय मैं बहुत भावुक हो गया था। मैंने अपनी पूरी ऊर्जा झोंक दी थी और यह अद्भुत अहसास है। उनके जिगरी दोस्त उस समय सीमा रेखा के पास खड़े थे। कोहली ने उनके बारे में कहा, एबीडी ने जो इस टीम के लिए किया, वह अद्भुत है। मैंने उनसे कहा कि यह जीत उतनी ही उसकी है, जितनी कि हमारी। मैं चाहता हूं कि आप हमारे साथ जश्न में शामिल हों। वह चार साल पहले रिटायर होने के बाद भी सबसे ज्यादा बार प्लेयर आफ द मैच रहे। यह बताता है कि लीग पर, टीम पर और मुझ पर उसका क्या प्रभाव है। वह पोडियम पर रहने के हकदार हैं। कमेंटेटर मैथ्यू हेडन ने जब उनसे पूछा कि वनडे विश्व कप, टी20 विश्व कप और चौंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद इस खिताब को वह कहां रखते हैं, कोहली ने कहा, श्यह भी ऊपर है। मैंने पिछले 18 साल में इस टीम को सब कुछ दिया। इस टीम के साथ ही रहा। मैं टीम के साथ रहा और टीम मेरे साथ। मैंने हमेशा इस टीम के साथ जीतने का सपना देखा था। मेरा दिल बेंगलुरु में है और आत्मा भी। मैं जब तक आईपीएल खेलूंगा, बेंगलुरु के लिए ही खेलूंगा।

18 साल के लंबे इंतजार के बाद आरसीबी ने जीता आईपीएल का खिताब, पहली बार थामी ट्रॉफी

18 साल के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु श्ई साला कप नामदेश का सपना पूरा करके दिखाया है। आईपीएल 2025 के फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने पंजाब किंग्स को 6 रन से हराकर आईपीएल ट्रॉफी पहली बार अपने नाम की है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में आरसीबी ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 191 रन टारगेट रखा जिसके बाद पंजाब किंग्स सात विकेट में महज 184 रन ही बना पाई। पंजाब किंग्स को 191 रनों का लक्ष्य मिला था। इस बड़े लक्ष्य का पीछा करने पंजाब ने ओपनिंग में 2 अनकैप्ड खिलाड़ियों को उतारा। प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने अपनी टीम को तेज शुरुआत दिलाई लेकिन प्रियांश 24 रन बनाकर आउट हो गए। फिल साल्ट ने गजब का कैच लपक कर प्रियांश को पवेलियन भेजा था। सबकुछ ठीक चल रहा था और पंजाब का स्कोर एक विकेट के नुकसान पर 72 रन हो गया था, लेकिन अगले 26 रन के भीतर पंजाब कि 3 अहमज विकेट का नुकसान हुआ। इस अहम मैच में कप्तान श्रेयस अय्यर भी केवल 1 रन बना पाए। देखते–देखते पंजाब ने 98 के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे। नेहल वढेरा और शशांक सिंह ने धीरे–धीरे पारी को आगे बढ़ाते हुए मिलकर 38 रन जोड़े, पंजाब ने महज 9 विकेट के भीतर 3 विकेट गंवा दिए थे। मिडिल ओवरों में खराब बैटिंग पंजाब किंग्स की हार का एक मुख्य कारण रही। 4 ओवरों के भीतर जो पंजाब टीम ने श्रेयस अय्यर, प्रभसिमरन सिंह और जोश इंगलिस का विकेट गंवाया, वहां से पंजाब मैच में वापसी कर ही नहीं पाई। दरअसल, 72 के स्कोर पर एक विकेट का स्कोर बनाने के बाद पंजाब ने 26 रन के भीतर पंजाब ने 3 विकेट गंवा दिए थे। वहीं लोवर ऑर्डर में पंजाब के पास मार्कस स्टोइनिस और शशांक सिंह जैसे धाकड़ बल्लेबाज थे। लेकिन 3 विकेटों के बाद पंजाब टीम के बल्लेबाज कोई बड़ी पार्टनरशिप नहीं कर पाए। इन 26 रनों के भीतर दो विकेट क्रुणाल पंड्या ने चटकाए, वहीं रोमारियो शेफर्ड ने श्रेयस अय्यर को महज 1 रन पर आउट करके पंजाब किंग्स की कमर तोड़ दी।

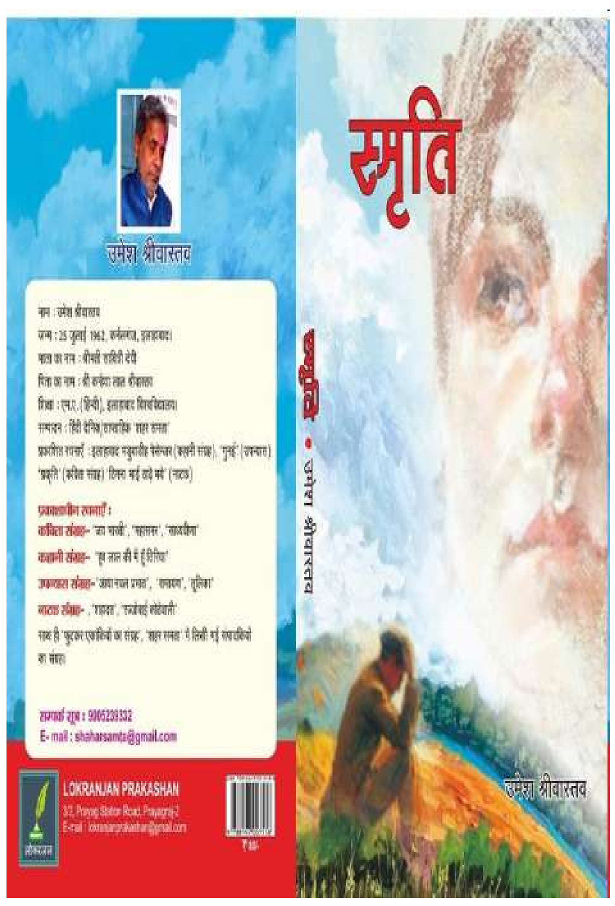

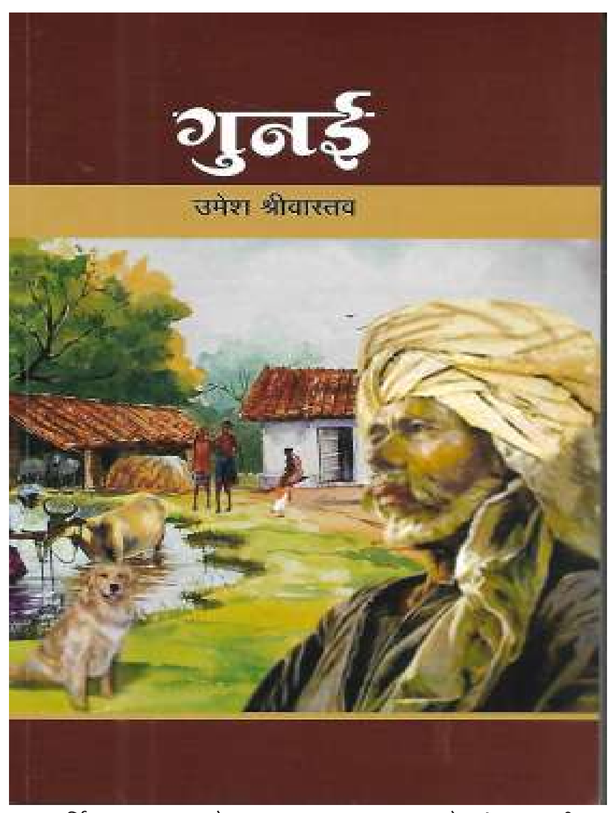

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

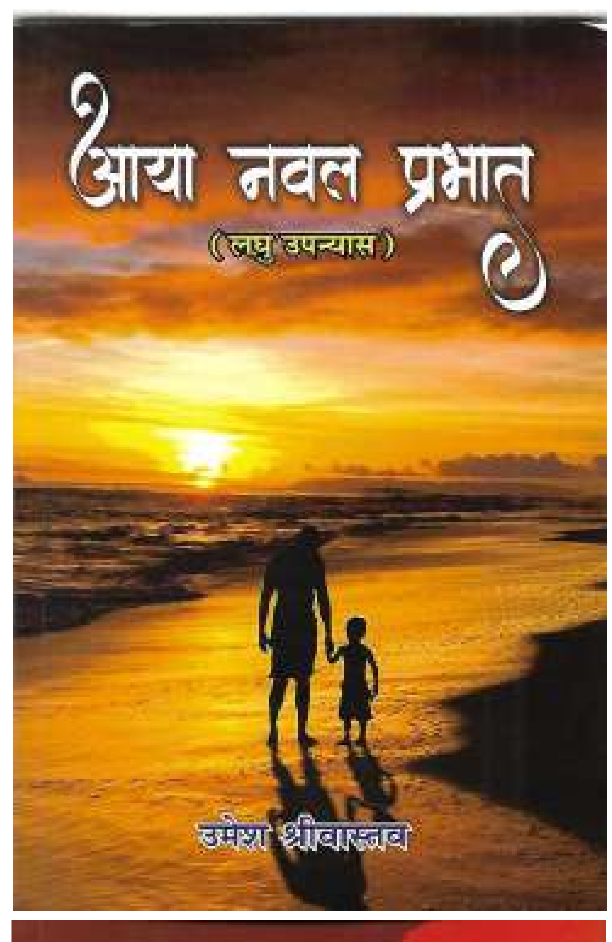

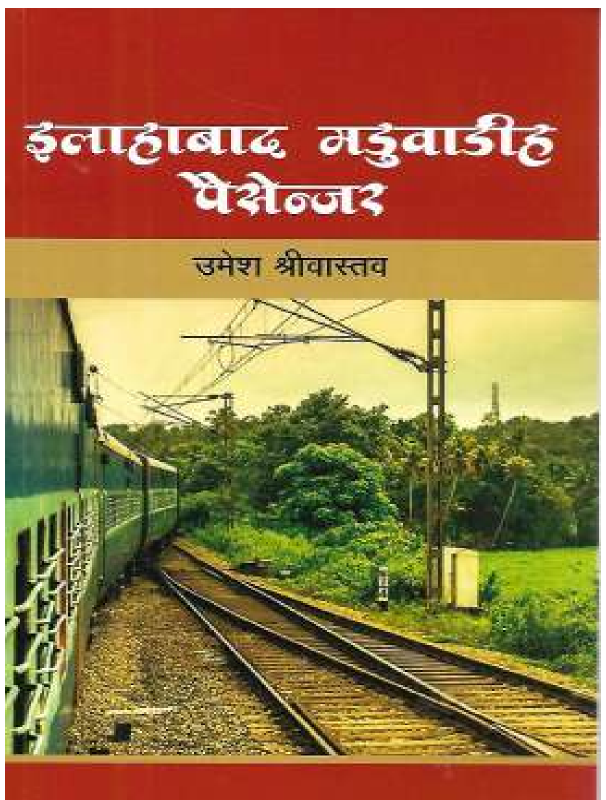

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी की कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

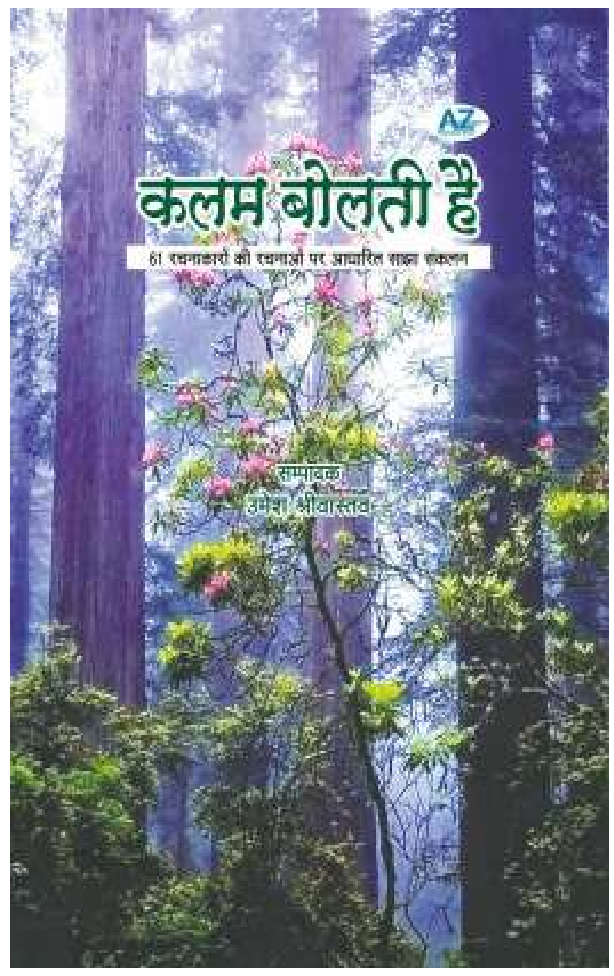

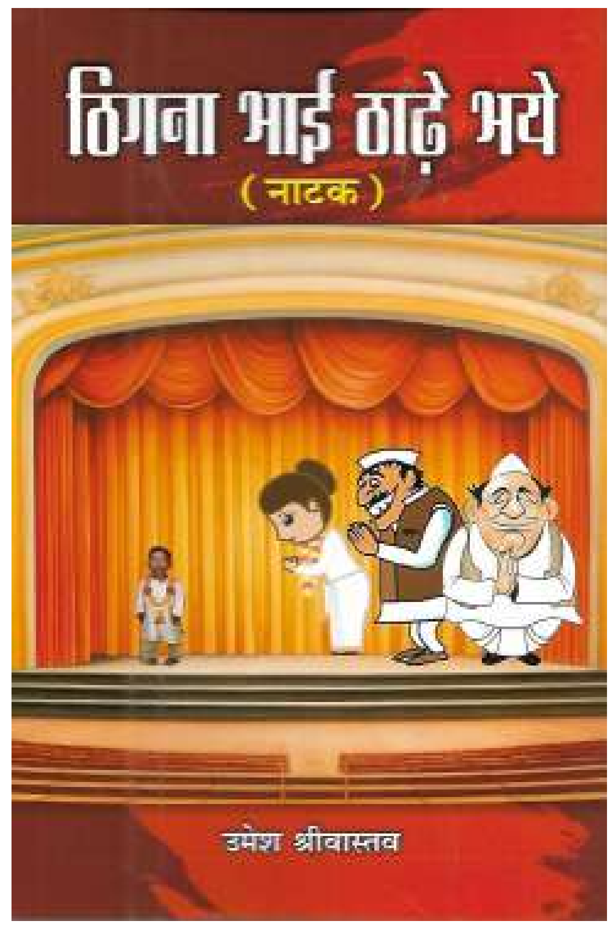

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

बशर असद की सरकार गिरने के बाद पहली बार सीरिया से रॉकेट दागे गए: इजराइल

इजराइली सेना ने कहा कि सीरिया से मंगलवार को दो रॉकेट दागे गए जो इजराइल नियंत्रित गोलान हाइट्स के खुले क्षेत्रों में गिरे। सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल–असद की सरकार दिसंबर में गिरने बाद पहली बार सीरियाई क्षेत्र से इजराइल की ओर हमला किया गया है। सीरियाई सरकारी मीडिया ने बताया कि रॉकेट दागे जाने के बाद इजराइल ने सीरिया के दारा प्रांत के पश्चिमी ग्रामीण इलाकों पर बमबारी की। ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था 'सीरियन ऑब्जर्वेटरी

फॉर ह्यूमन राइट्स' ने भी इजराइली हवाई हमलों की सूचना दी है, जिसके कारण कुनीत्रा शहर और दारा के ग्रामीण इलाकों में विस्फोट हुए। पिछले साल गाजा में इजराइल के हमले में मारे गए हमास के सैन्य नेता मोहम्मद ज़ैफ के नाम पर रखे गए 'मोहम्मद ज़ैफ ब्रिगेड' नामक समूह ने सोशल मीडिया मंच 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में हमले की जिम्मेदारी ली है। यह समूह कुछ दिन पहले ही सोशल मीडिया पर पहली बार सामने आया था। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल कैट्ज़ ने एक बयान में कहा कि उनका देश इजराइल के प्रति हर खतरे और गोलाबारी के लिए सीरियाई राष्ट्रपति को सीधे तौर पर जिम्मेदार मानता है और उन्होंने इसका उचित जवाब देने की चेतावनी दी है। सीरिया के विदेश मंत्रालय ने सरकारी टीवी चौनल पर दिए गए एक बयान में कहा कि उसने अब तक सीरिया से इजराइल पर किए गए हमलों की रिपोर्ट की सत्यता की पुष्टि नहीं की है।

संरा सुरक्षा परिषद में गाजा में संघर्षविराम के प्रस्ताव पर मतदान होगा

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बुधवार को उस प्रस्ताव पर मतदान होना है जिसमें गाजा में तत्काल, बिना शर्त और स्थायी युद्धविराम की मांग की गई हैजिसका सभी पक्षों द्वारा सम्मान किया जाए। अमेरिका के इस प्रस्ताव पर वीटो करने की करने की संभावना है। परिषद के 10 निर्वाचित सदस्यों द्वारा तैयार प्रस्ताव में सात अक्टूबर 2023 को किए गए हमले के बाद दक्षिणी इजराइल से हमास और अन्य समूहों द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों की रिहाई की मांग दोहराई गई है। गाजा में मानवीय स्थिति को विनाशकारी बताते हुए प्रस्ताव में गाजा में मानवीय सहायता के प्रवेश पर लगे सभी प्रतिबंधों को तत्काल और बिना शर्त हटाने तथा संयुक्त राष्ट्र और मानवीय साझेदारों के साथ राहत सामग्री को सुरक्षित और निर्बाध तरीके से वितरित करने की भी मांग की गई है। इस प्रस्ताव पर बुधवार दोपहर को मतदान होना है और यह ऐसे वक्त लाया गया है जब इजराइल और अमेरिका समर्थित सहायता वितरण स्थल बनाए जाने के बाद करीब–करीब रोज गोलीबारी की घटनाएं हो रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न सदस्य देशों के राजयनिकों ने मंगलवार को नाम न छापने की शर्त पर कहा कि उन्हें लगता है कि अमेरिका इस प्रस्ताव पर वीटो कर देगा। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी मिशन ने कहा कि इस समय मसौदा प्रस्ताव पर वह कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता है। इजराइल के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने मसौदे पर टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।

उ.कोरिया से बातचीत जारी रखेंगे, अमेरिका–जापान साझेदारी मजबूत करेंगे : द कोरियाई राष्ट्रपति

दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति ली जे–म्यांग ने बुधवार को कहा कि वह उत्तर कोरिया के साथ बातचीत जारी रखने की कोशिश करेंगे तथा अमेरिका और जापान के साथ त्रिपक्षीय

साझेदारी को मजबूत करेंगे। पदभार ग्रहण करने के बाद अपने पहले संबोधन में उन्होंने कहा कि उनकी सरकार दक्षिण कोरिया–अमेरिका सैन्य गठबंधन के आधार पर एक मजबूत प्रतिरोध के साथ उत्तर कोरिया के संभावित आक्रमणों से निपटेगी। लेकिन वह उत्तर कोरिया के साथ बातचीत के लिए भी दरवाजा खुला रखेंगे और कोरियाई प्रायद्वीप में शांति स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा कि वह व्यावहारिक कूटनीति अपनाएंगे और दक्षिण कोरिया–अमेरिका गठबंधन के आधार पर त्रिपक्षीय सियोल–वाशिंगटन–तोक्यो सहयोग को बढ़ावा देंगे। ली ने मंगलवार को हुआ मध्यावधि चुनाव जीता है और उनका कार्यकाल पांच साल का होगा।

ईरान में लापता तीन भारतीयों का पता चला : ईरानी दूतावास

पिछले महीने ईरान में लापता हुए तीन भारतीय नागरिकों को मुक्त करा लिया गया है। यह जानकारी भारत स्थित ईरानी दूतावास ने मंगलवार को तेहरान में मीडिया की खबरों के हवाले से दी। पिछले सप्ताह विदेश मंत्रालय ने कहा था कि वह लापता भारतीयों के मामले में ईरानी अधिकारियों के संपर्क में है। ईरानी दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, तीन लापता भारतीय नागरिक मुक्त करा लिये गये हैं। उसने कहा, "ईरान के स्थानीय मीडिया का कहना है कि पुलिस ने ईरान में लापता हुए तीन भारतीयों को ढूंढकर छुड़ा लिया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक / शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

पाकिस्तान को आतंकी राष्ट्र घोषित करने की बजाय यूएनएससी ने उसे तालीबान पर निगाह रखने की जिम्मेदारी सौंप दी

दुनियाभर में आतंकवाद के निर्यातक पाकिस्तान पर इस समय दुनिया जो मेहरबानी कर रही है उसे ही कहते हैं आ बाल मुझे मार। अभी हाल ही में आईएमएफ ने पाकिस्तान को करोड़ों डॉलर का कर्ज दिया था और अब एशियाई विकास बैंक ने भी पाकिस्तान के लिए 80 करोड़ डॉलर के पैकेज को मंजूरी दी है। चीन पहले ही पाकिस्तान को कर्ज पर कर्ज दिये जा रहा है। यही नहीं, जिस संयुक्त राष्ट्र को चाहिए कि वह सर्वसम्मति से पाकिस्तान को आतंकवादी देश घोषित करे वह उसे अपनी महत्वपूर्ण समितियों की अध्यक्षता दिये जा रहा है। हैरत की बात यह है कि जिस देश में आतंकवादियों को प्रशिक्षण देकर भारत सहित दुनियाभर में आतंक फैलाने के लिए भेजा जाता है और जिस देश में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद

की जड़ें हैं उस देश को तालिबान की हरकतों पर निगाह रखने की जिम्मेदारी दे दी गयी है। देखा जाये तो अप्रासंगिक होता जा रहा संयुक्त राष्ट्र अब सिर्फ चर्चा का एक मंच मात्र बन कर रह गया है। साथ ही पाकिस्तान जैसे देश को आतंकवाद पर निगाह रखने का काम सौंप कर संयुक्त राष्ट्र दुनिया में हंसी का पात्र भी बन गया है। संयुक्त राष्ट्र को यह भी समझना होगा कि अफगानिस्तान के नए शासन से अपने खराब संबंधों के चलते पाकिस्तान अपने इस पद का ना सिर्फ दुरुपयोग करेगा बल्कि वह काबुल में भारत की बढ़ती भूमिका को कम करने के लिए भी नई चालें चलेगा। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) की 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति का 2025 के लिए अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस समिति पर उन व्यक्तियों और संगठनों पर प्रतिबंध लागू करने का दायित्व है जो तालिबान से जुड़े हैं और अफगानिस्तान में शांति और सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करते हैं। इन प्रतिबंधों में संपत्ति फ्रीज करना, यात्रा प्रतिबंध और हथियारों की आपूर्ति पर रोक शामिल हैं। इस समिति के उपाध्यक्ष के रूप में गुयाना और रूस कार्य करेंगे। इस महत्वपूर्ण भूमिका के अतिरिक्त, पाकिस्तान 1373 काउंटर–टेररिज़्म समिति का उपाध्यक्ष भी होगा, जिसकी अध्यक्षता अल्जीरिया करेगा। इस समिति में फ्रांस और रूस भी उपाध्यक्ष की भूमिका में होंगे। इसके अलावा, पाकिस्तान ष्डॉक्यूमेंटेशन और प्रक्रिया संबंधी प्रश्नों तथा ष्सामान्य प्रतिबंध मामलोंष् पर अनौपचारिक कार्य समूहों का सह–अध्यक्ष भी होगा। डेनमार्क 1267 इस्लामिक स्टेट (ष्ष्) और अल–कायदा प्रतिबंध समिति का नेतृत्व करेगा, जिसमें रूस और सिएरा लियोन उपाध्यक्ष होंगे। हम आपको बता दें कि ये सभी समितियाँ सुरक्षा परिषद के 15 सदस्य देशों से मिलकर बनी होती हैं और इनमें निर्णय सर्वसम्मति से लिए जाते हैं। पाकिस्तान वर्तमान में 2025–26 की अवधि के लिए सुरक्षा परिषद का अस्थायी (गैर–स्थायी) सदस्य है। इससे पहले भारत ने 2022 में अपने 2021–22 के गैर–स्थायी सदस्यता कार्यकाल के दौरान काउंटर–टेररिज़्म समिति की अध्यक्षता की थी। भारत ने पाकिस्तान के आतंकी गतिविधियों को समर्थन देने के रिकॉर्ड पर बार–बार चिंता व्यक्त की है और यह आरोप लगाया है कि पाकिस्तान में संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित कई आतंकवादी आश्रय लिए हुए हैं। भारत ने ओसामा बिन लादेन के मामले को भी बार–बार उठाया है, जिसे 2011 में पाकिस्तान के एबटाबाद में मारा गया था। वर्तमान सुरक्षा परिषद में पाँच स्थायी सदस्य हैंरू चीन, फ्रांस, रूस, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका। इसके अलावा दस गैर–स्थायी सदस्य हैंरू अल्जीरिया, डेनमार्क, ग्रीस, गुयाना, पाकिस्तान, पनामा, दक्षिण कोरिया, सिएरा लियोन, स्लोवेनिया और सोमालिया। मंगलवार को हुए चुनावों में पाँच नए गैर–स्थायी सदस्य 2026द् 2027 की अवधि के लिए चुने गए हैं। ये हैं– बहरीन, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, लाइबेरिया, लातविया और कोलंबिया। बहरहाल, आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सभी देश बातें तो बड़ी–बड़ी करते हैं लेकिन जब आतंकवाद के खिलाफ ठोस कदम उठाने की बात आती है तो सभी बगलें झांकने लगते हैं। यही वह असल कारण है जिसके चलते दुनिया को आतंकवाद से मुक्ति नहीं मिल पा रही है।

भारत ने कितना मारा, डोजीयर बांट–बांट कर बिलावल भुट्टो ने दुनिया को बताया

अमेरिका पहुंचते ही बिलावल भुट्टो ने रोना शुरू कर दिया। भारत पाकिस्तान के बीच तनाव के बारे में बिलावल जो डोजीयर साथ में लेकर गए हैं, उसमें पाकिस्तान ने कई चौंकाने वाली बातें कही हैं। पाकिस्तान ने माना कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने बलूचिस्तान को छोड़कर उसके हर सूबे पर अटैक किया। यानी पीओके के साथ साथ पंजाब, सिंध, खैबर पख्तूनवा पर भारत के जबरदस्त हमले की बात फॉर्मली पूरी दुनिया के सामने मान ली। पाकिस्तान के डोजीयर में लिखा है कि भारत के निशाने पर खासतौर पर पाकिस्तान का पंजाब सूबा था। नॉर्थ में रावलपिंडी, गुजरात और लाहौर से लेकर साउथ पंजाब में रहीम यार खान तक पंजाब के 16 ठिकानों पर हमले किए गए। इसके अलावा भारतीय सेना ने राजधानी कराची और दूसरे सबसे बड़े शहर हैदराबाद के अलावा छोर, मानो और जकोबाबाद में उसके एयरबेस को निशाना बनाया।

खैबर पख्तूनवा में पेशावर तक अटैक किया गया। बिलावल के डोजीयर से ये तो साफ हो गया कि पाकिस्तान ये मान रहा है कि पूरा मुल्क इंडियन फोर्स की जद में है। पाकिस्तान ने कबूल किया है कि इंडियन एयर फोर्स ने पाकिस्तान के एयरबेस को बर्बाद किया। मिसाइल से अटैक किया। पाकिस्तान ने एक चालाकी जरूर दिखाई। जो डोजीयर तैयार किया उसमें पाकिस्तान के मिलिट्री इंस्टॉलेशन के साथ साथ सिविलियन इलाकों और मजहबी जगहों को भी निशाना बनाने का आरोप लगाया है। बिलावल भुट्टो जरदारी की लीडरशिप वाला पाकिस्तानी डेलीगेशन न्यूयॉर्क में ये डोजीयर दुनिया के तमाम देशों के डिप्लोमैट को बांट रहा है। बिलावल भुट्टो चिल्ला चिल्ला कर कह रहे हैं कि पहलगाम के आतंकी हमले में पाकिस्तान का कोई रोल नहीं था। फिर भी भारत ने पाकिस्तान पर हमला किया। बिलावल भुट्टो ने कहा कि भले ही अभी भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर हो गया हो। लेकिन खतरा अभी टला नहीं है। इसलिए दूसरे मुल्क भारत को समझाएं। इसके बाद बिलावल ने एटम बम की बात की। उन्होंने कहा कि दो न्यूक्लियर पावर के बीच जंग कभी भी छिड़ सकती है। क्योंकि कोई कभी भी टेररिस्ट भारत पर हमला करेगा तो भारत जवाबी एक्शन के नाम पर पाकिस्तान पर अटैक कर देगा। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए बिलावल भुट्टो ने कहा जहां तक घ्संयुक्त राष्ट्र के भीतर और सामान्य तौर पर कश्मीर मुद्दे का सवाल है, हमारे सामने आने वाली बाधाओं का सवाल है, तो वे अभी भी मौजूद हैं। बिलावल भुट्टो वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका में एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं, जो हाल के क्षेत्रीय तनावों पर इस्लामाबाद की कहानी पेश करने के लिए सरकार द्वारा अधिकृत पहल का हिस्सा है, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर के नतीजे भी शामिल हैं, जिसे भारत ने पहलगाम में आतंकी हमले के बाद शुरू किया था जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी।

बांग्लादेशियों को धक्के दे देकर बाहर निकाल रहा भारत, यह देखकर भड़का बांग्लोदेश, भेजेगा राजनयिक पत्र

भारत ने देशभर में फैले अवैध बांग्लादेशियों को पकड़ पकड़ कर बांग्लादेश भेजना शुरू किया तो बांग्लादेश भड़क गया है। बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने भारत पर आरोप लगाया है कि वह ''लोगों'' को विदेशी घोषित कर उन्हें निर्वासन की प्रक्रिया का पालन किए बिना जबरन बांग्लादेश में धकेल रहा है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर ढाका नई दिल्ली को एक राजनयिक पत्र भेजेगा। तौहीद हुसैन ने कहा, "निर्वासन प्रक्रिया के तहत प्रत्येक मामले की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा की जा रही है और केवल सत्यापित नागरिकों को ही

वापस लिया जा रहा है, लेकिन भारत सीमापार जबरन धकेलने का सहारा ले रहा है।" उन्होंने आगे कहा, "हम एक नया, ठोस पत्र भेजेंगे। हम देख रहे हैं कि जबरन धकेलने की घटनाएं अभी भी हो रही हैं। लेकिन यह कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे हम शारीरिक रूप से रोक सकें।" हम आपको बता दें कि भारत ने बांग्लादेश को उन व्यक्तियों की एक सूची सौंपी है जिन्हें वह बांग्लादेशी नागरिक मानता है। तौहीद हुसैन के अनुसार, ढाका ने सत्यापन के बाद उनमें से कुछ को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने यह भी ज़ोर दिया कि वाणिज्यिक (कौंसुलर) मामलों को सुलझाने के लिए एक औपचारिक तंत्र मौजूद है और बांग्लादेश यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है कि सभी कार्रवाइयाँ प्रक्रिया के अनुसार हों। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश भारत के साथ नियमित संपर्क में है। हम आपको बता दें कि 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद देशभर में राष्ट्रव्यापी सत्यापन अभियान शुरू हुआ और 7 मई को शुरू हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद इसमें तेजी आई। इसके चलते अब तक हजारों बांग्लादेशियों को उनके देश वापस भेज दिया गया है। बड़ी संख्या में बांग्लादेशी खुद भी वापस जा रहे हैं। हम आपको बता दें कि इन अवैध प्रवासियों को वायुसेना के विमानों द्वारा विभिन्न स्थानों से सीमा के पास लाकर BSF को सौंप दिया जाता है। वहां उन्हें अस्थायी शिविरों में रखा जाता है। भोजन के अलावा जरूरत पड़ने पर उन्हें कुछ बांग्लादेशी मुद्रा दी जाती है और फिर कुछ घंटों बाद उन्हें उनके देश में "वापस धकेल" दिया जाता है। हम आपको बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे बांग्लादेश और म्यांमार से आये संदिग्ध अवैध प्रवासियों की पहचान और दस्तावेजों का सत्यापन 30 दिनों की समय–सीमा में पूरा करें। यदि इस अवधि के भीतर दस्तावेजों का सत्यापन नहीं हो पाता तो ऐसे व्यक्तियों को निर्वासित किया जाएगा। गृह मंत्रालय ने पिछले महीने की 19 तारीख को जारी निर्देशों में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से कहा था कि वे अपने वैधानिक अधिकारों का उपयोग कर अवैध प्रवासियों की पहचान करें, उन्हें चिन्हित करें और निर्वासित करें। साथ ही, जिला स्तर पर पर्याप्त संख्या में हिरासत केंद्र स्थापित करने को भी कहा गया है, जहां निर्वासन की प्रक्रिया पूरी होने तक ऐसे व्यक्तियों को रखा जा सके। ये निर्देश केंद्र सरकार द्वारा बांग्लादेश और म्यांमार से आए अवैध प्रवासियों के खिलाफ शुरू किए गए नए अभियान का हिस्सा हैं। इन निर्देशों की प्रति सीमा सुरक्षा बल (BSF) और असम राइफल्स के महानिदेशकों (DGs) को भी भेजी गई है, जो भारत की सीमाओं की इन दोनों देशों से रक्षा करते हैं। हम आपको यह भी याद दिला दें कि इस साल फरवरी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या प्रवासियों को देश में प्रवेश दिलाने, दस्तावेज़ बनवाने और उन्हें टिकाए रखने में मदद करने वाले किसी भी नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा था, अवैध घुसपैठियों का मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है और इसे सख्ती से निपटाया जाना चाहिए। इन्हें चिन्हित कर निर्वासित किया जाना चाहिए।

यूक्रेन में रूस के रॉकेट हमले में चार लोगों की मौत

रूस ने मंगलवार को यूक्रेन के शहर सुमी को निशाना बनाकर हमला किया, जिसमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 25 घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि यह इस बात को रेखांकित करता है कि मॉस्को का तीन साल से जारी युद्ध को रोकने का कोई इरादा नहीं है। यह हमला इस्तांबुल में सीधी शांति वार्ता के एक दिन बाद हुआ, जिसमें युद्ध को समाप्त करने के लिए कोई प्रगति नहीं हुई। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि रॉकेटों की बौछार ने सुमी के केंद्र में अपार्टमेंट इमारतों और एक चिकित्सा सुविधा को निशाना बनाया। इस बीच, यूक्रेन की खुफिया एजेंसी ने कहा कि उसने रूस के अंदर फिर से हमला किया है। इसके दो दिन पहले यूक्रेन ने ड्रोन के जरिये रूस के अंदर घुसकर उसके हवाई अड्डों पर भीषण हमला किया था जिसमें कई विमान नष्ट हो गए थे।

जेलेंस्की के 'मकड़ा बम' से हिला मॉस्को, 1100 केजी के बम से कैसे उड़ा डाला पुतिन का ड्रीम प्रोजेक्ट

रूस से आई तस्वीरों ने एक बार फिर से रूस को हिला कर रख दिया है। यूक्रेन के लगातार स्पेशल ऑपरेशंस रूस को बड़ा नुकसान पहुंचा रहे हैं। नई तस्वीरें क्रीमिया से सामने आई हैं, जहां यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने एक बड़े ऑपरेशन के तहत क्रीमिया ब्रिज पर तीसरी बार हमला किया। इस बाद उन्होंने पुल के अंदर यानी की अंडर वॉटर विस्फोटक लगाकर धमाका किया। सामने आई तस्वीरों में साफ पता चलता है कि किस तरह से एक बड़ा धमाका होता है और कुछ ही पल में पूरा पुल तहस नहस हो जाता है।

इससे पुल को गंभीर नुकसान हो गया है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि इस ऑपरेशन में 1100 किलो टीएनटी विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया है। लोकल मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ये घटना 3 जून को सुबह 4 बजे के करीब हुई। रूस और क्रीमिया को जोड़ने वाले यूरोप के सबसे बड़े पुल को यूक्रेन ने एक बार फिर निशाना बनाया है। यूक्रेनी खुफिया एजेंसी एसबीयू ने कहा कि 2022 और 2023 में भी हमने इस पुल पर हमला किया था। एजेंसी ने विस्फोट का एक वीडियो भी जारी किया है। यूक्रेन ने दावा किया कि इस ऑपरेशन को महीनों की प्लानिंग और अंडरवॉटर ड्रोन टेक्नोलॉजी से अंजाम दिया गया। यह हमला उस भीषण हमले के दो दिन बाद हुआ, जिसमें यूक्रेन ने रूस के 40 से ज्यादा फाइटर जेट्स और बमवर्षक विमानों को भारी नुकसान पहुंचाया था। बता दें कि केर्च ब्रिज रूस के राष्ट्रपति पुतिन का ड्रीम प्रोजेक्ट था, जो 19 किमी लंबा है और रूस को सीधे क्रीमिया से जोड़ता है। 2014 में क्रीमिया को नियंत्रण में लेने के बाद यह ब्रिज रूसी सैन्य आपूर्ति और सामरिक गतिविधियों की रीढ़ माना जाता है।

24 घंटे में यूक्रेन के 1400 से ज्यादा सैनिकों को मार गिराया

रूस ने दावा किया कि बीते 24 घंटों में यूक्रेन के 1400 से ज्यादा सैनिकों को मार गिराया है। सबसे अधिक नुकसान श्वेटलग्रुप साउथश में बताया गया है, जहां 750 सैनिक मारे गए और दस बख्तरबंद वाहन तबाह हुए। वहीं, यूक्रेन ने भी रूस के 1100 सैनिकों को मारने का दावा किया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि यह इस बात को रेखांकित करता है कि मॉस्को का तीन साल से जारी युद्ध को रोकने का कोई इरादा नहीं है। यह हमला इस्तांबुल में सीधी शांति वार्ता के एक दिन बाद हुआ, जिसमें युद्ध को समाप्त करने के लिए कोई प्रगति नहीं हुई। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि रॉकेटों की बौछार ने सुमी के केंद्र में अपार्टमेंट इमारतों और एक चिकित्सा सुविधा को निशाना बनाया। इस बीच, यूक्रेन की खुफिया एजेंसी ने कहा कि उसने रूस के अंदर फिर से हमला किया है। इसके दो दिन पहले यूक्रेन ने ड्रोन के जरिये रूस के अंदर घुसकर उसके हवाई अड्डों पर भीषण हमला किया था जिसमें कई विमान नष्ट हो गए थे।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अर्न्तगत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।